सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*" मन जैसा सोचता है, जिंदगी वैसी लगने लगती है...
इसलिए हालात नहीं सोच बदलना जरूरी है...!!*

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–274 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

त्वरित टिप्पणी

आईपीएस अंकिता शर्मा पर सवाल नहीं, गर्व कीजिए – साड़ी में AK–47 नारी शक्ति का उद्घोष है, अपराध नहीं

आलोक तिवारी

ऐसा कौन सा आलोचनात्मक, असंवैधानिक, अनुशासनहीन या आपराधिक काम आईपीएस अंकिता शर्मा ने कर दिया, जिस पर इतनी सारी गाइडलाइंस जारी की जा रही हैं, IG के माध्यम से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है और सोशल मीडिया पर ट्रायल चलाया जा रहा है?

सच्चाई बेहद साफ है – अंकिता शर्मा ने वही किया जो छत्तीसगढ़ के हर जिले में हर IPS, हर पुलिस कप्तान ने किया है। विजयदशमी पर शस्त्र पूजन और हर्ष फायरिंग पुलिस विभाग की दशकों पुरानी सनातन परंपरा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात जो आलोचक भूल जाते हैं - UPSC क्लियर करने के बाद IPS चयनित अभ्यर्थियों को देश के सभी प्रकार के हथियारों का कठोरतम प्रशिक्षण दिया जाता है। हैदराबाद की सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस एकेडमी में महीनों तक दिन–रात कठोर परिश्रम, फायरिंग रेंज में हजारों राउंड फायरिंग के बाद ही उन्हें जिले की कमान मिलती है। AK–47 जैसे हथियार उनके लिए खिलौना नहीं, बल्कि उनकी ड्यूटी का हिस्सा हैं। अंकिता शर्मा कोई आम नागरिक नहीं, बल्कि प्रशिक्षित IPS अधिकारी हैं।

सबसे बड़ा पाखंड - सिविल ड्रेस वाले पुरुष अफसरों पर चुप्पी क्यों?

और सबसे बड़ा सच ये है – अन्य जिलों के पुरुष अधिकारियों ने भी सिविल ड्रेस में, कुर्ता–पजामा पहनकर शस्त्र पूजन और हर्ष फायरिंग की है। उनके वीडियो भी गर्व के साथ उनके अधिकृत सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट हैं। उन पर कोई नोटिस नहीं, कोई गाइडलाइंस नहीं, कोई स्पष्टीकरण नहीं।

फिर राजनांदगांव में एक महिला अधिकारी ने भारतीय परिधान साड़ी में फायरिंग कर दी, तो ज्ञानचंदों की फौज नियम–कानून की किताब लेकर क्यों खड़ी हो गई?

यह दोहरा मापदंड क्यों? यह सौतेला व्यवहार क्यों?

क्या सारे नियम सिर्फ एक महिला अधिकारी के लिए हैं? क्या पुरुष प्रधान समाज में एक साड़ी वाली बेटी का AK–47 उठाना पच नहीं रहा है?

जरा उनके काम को देखिए, फिर सवाल उठाइए

बस्तर की शेरनी: 11 महीने तक घोर नक्सल प्रभावित बस्तर में DRG और CRPF के साथ मोर्चा संभालने वाली अधिकारी को क्या हथियार चलाना सिखाएंगे वो लोग, जिनकी देशी कट्टा देखते ही सिट्टी–पिट्टी गुम हो जाए?

रायपुर में नशा मुक्ति: प्रशिक्षु अधिकारी के रूप में सैकड़ों युवाओं को नशे से निकालने वाली।

राजनांदगांव में जीरो एक्सीडेंट मैनेजमेंट: गणेश विसर्जन, नवरात्रि और डोंगरगढ़ मां बमलेश्वरी मेले में लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित व्यवस्था देना।

मां के प्रति आस्था: नवरात्रि के अंतिम दिन मां बमलेश्वरी मंदिर में नौ दिन तक ड्यूटी करने वाले सभी कर्मचारी–अधिकारियों सहित पूरे पुलिस परिवार ने पुलिस बैंड के साथ मां की आरती गाकर माता का धन्यवाद किया था। यह टीम भावना है, परिवार भावना है।

साड़ी - यह सिर्फ वस्त्र नहीं, संस्कार है

अंकिता शर्मा अक्सर साड़ी में ही दिखती हैं। भारत रानी लक्ष्मीबाई की गाथा गाते नहीं थकता – जब वो अंग्रेजों से लड़ीं तो घोड़े पर साड़ी में ही सवार थीं। साड़ी वह आंचल है जिसमें ममता को छांव मिलती है।

IPS अंकिता शर्मा को अबला समझने वालों के लिए यह चेतावनी है, अर्थात कानून की हर्ष फायरिंग है – समाज में दुराचरण करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे।

आज हर लड़की कहती है - "मुझे अंकिता बनना है"। ऐसे प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व के मनोबल को गिराने वाली बातें न हों, तो एक निडर महिला के प्रति सच्चा सम्मान होगा।

नारी तू नारायणी - साड़ी में AK–47 उठाने वाली इस बेटी पर सवाल नहीं, गर्व कीजिए।

युवा बड़े सपने देखें, अपनी सफलता को समाज और राष्ट्र की सेवा से जोड़ें : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

अन्न का सम्मान, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हम सभी का सामूहिक दायित्व : राष्ट्रपति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

युवा बड़े सपने देखें, अपने विचारों को व्यापक बनाएं और अपनी सफलता को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ें। परिस्थितियां और चुनौतियां अलग–अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। जब युवाओं के व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ेंगे, तभी देश की प्रगति का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नुआखाई के अवसर पर आयोजित सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने नुआखाई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई मिलन केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और भारतीय जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नुआखाई हमारी कृषि परंपरा को सहेजने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का पर्व है। अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि किसान भाई–बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है। अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने युवाओं से कहा कि वे जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पुस्तकें पढ़ें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को समझें और अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर विकसित करें। जीवन में लक्ष्य तय करें और चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर स्वयं में सुधार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को ज्ञान के साथ विनम्रता, महत्वाकांक्षा के साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा–भाव को जोड़ना चाहिए। आपका ज्ञान किसी जरूरतमंद के काम आए, आपकी प्रतिभा किसी समस्या का समाधान करे और आपकी सफलता समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बने, तभी उपलब्धि की वास्तविक सार्थकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र का निर्माण केवल बड़े निर्णयों से नहीं होता, बल्कि करोड़ों नागरिकों के छोटे–छोटे ईमानदार प्रयासों से होता है। प्रत्येक युवा जो भी कार्य करे, उसे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करे। ये गुण विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं के योगदान को और सशक्त बनाएंगे।

विकसित भारत के लिए महिलाओं की समान भागीदारी जरूरी

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। देश की आधी आबादी को आगे बढ़ाए बिना राष्ट्र पूरी क्षमता के साथ प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने महिलाओं से देश और समाज के कार्यों में बढ़–चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने पुरुषों, विशेषकर युवाओं से कहा कि वे अपनी बहनों और बेटियों को ऐसा वातावरण और अवसर प्रदान करें, जिसमें वे बिना किसी बाधा के अपने सपनों को साकार कर सकें। महिलाओं के प्रति सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारी सोच, व्यवहार और दैनिक आचरण में भी दिखाई देना चाहिए।

जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों तथा युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर प्रदेश के युवा नक्सलवाद के भटकाव से मुक्त होकर मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है। इस परिवर्तन से न केवल युवाओं और उनके परिवारों का कल्याण हो रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ और पूरे भारत के विकास को भी गति मिल रही है।

नुआखाई सामाजिक एकता और सेवा भावना का पर्व: राज्यपाल डेका

राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को नुआखाई जुहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल नई फसल के आगमन की खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि धरती माता के प्रति कृतज्ञता, किसानों के परिश्रम के सम्मान और मिल–जुलकर खुशियां बांटने का उत्सव है। यह हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की परंपरा को मजबूत करता है। राज्यपाल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति को प्रदेश के लिए सौभाग्य और प्रेरणा का अवसर बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष, सादगी, समर्पण और सेवाभाव हम सभी के लिए प्रेरक है। उन्होंने युवाओं से सेवा को अपने जीवन का स्वभाव बनाने और नशे एवं भटकाव से दूर रहकर ज्ञान, कौशल और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि स्वस्थ, शिक्षित, संस्कारित और सेवाभावी युवा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने रक्तदाताओं, विशेष रूप से महिला रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की महान सेवाओं में से एक है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का जीवन बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का छत्तीसगढ़ से गहरा आत्मीय संबंध है। प्रदेशवासियों के मन में उनके प्रति अपार आदर और आत्मीयता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु जी का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सादगी, सेवा, शिक्षा और दृढ़ संकल्प की प्रेरणादायक मिसाल है। ओडिशा के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की उनकी जीवन यात्रा विशेष रूप से देश की बेटियों, युवाओं तथा जनजातीय और ग्रामीण अंचलों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका मार्गदर्शन प्रदेश के युवाओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति, नई फसल के स्वागत और धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सदियों पुराने सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध हैं। ओड़िया समाज ने अपनी मेहनत, सादगी और सेवाभाव से छत्तीसगढ़ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नुआखाई के पावन अवसर पर सेवा सम्मान और युवा प्रबोधन का आयोजन हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को समाज सेवा और युवा सशक्तीकरण से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है।

रक्तदान महाकुंभ में 2,548 लोगों ने किया रक्तदान

मुख्यमंत्री श्री साय ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित रक्तदान महाकुंभ के रक्तदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की महान सेवा है। अभियान में 2,548 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिनमें 1,188 महिलाएं शामिल थीं। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ की सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता और नारी शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा, केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में जारी किया 200 रुपए का स्मारक सिक्का

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित थे। पूज्य शदाणी दरबार रायपुर की 5 वीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200 वीं जयंती पर भारत सरकार वित्त मंत्रालय द्वारा 200 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया गया है। सिंधी विभूति के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी होना समाज के लिए ऐतिहासिक मौका था। यह देश–विदेश में रहने वाले करोड़ों सिंधी लोगों के लिए गर्व का विषय है। स्मारक सिक्के का अनावरण होने के बाद श्रद्धालु और सिक्का संग्राहक इसे शदाणी दरबार की अलग–अलग इकाइयों के माध्यम से बुक कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जारी इस विशेष सिक्के पर पूज्य माता हासी देवी जी की छवि अंकित है। सिक्के के एक ओर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और 200 रुपये का मूल्यवर्ग दशार्या गया है। इस स्मारक सिक्के के माध्यम से उनके जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन पूज्य शदाणी दरबार रायपुर के पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने दिया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, मुख्य सचिव विकासशील, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना सहित वरिष्ठ अधिकारी, पूज्य शदाणी दरबार के सदस्य सहित देशभर से आए हुए जनप्रतिनिधि और सिंधी समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को राज्यपाल डेका ने भेंट की पहाड़ी मैना की प्रतिकृति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने सम्मान स्वरूप छत्तीसगढ़ के राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना की प्रतिकृति भेंट की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कोसा साड़ी भेंट की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने भी स्मृति स्वरूप राज्यपाल श्री डेका को विशिष्ट शैली की चित्रकला भेंट की। स्मृति चिह्नों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक कलाओं को सम्मानित किया गया। पहाड़ी मैना राज्य की प्राकृतिक पहचान का प्रतीक है, वहीं कोसा साड़ी छत्तीसगढ़ की समृद्ध बुनकर परंपरा और हस्तकला का प्रतिनिधित्व करती है।

रायगढ़ के धनागर में मिला दुर्लभ रेड सैंड बोआ, 10 साल बाद दिखा दोमुंहा सांप

सर्प रक्षक समिति और वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू, जंगल में छोड़ा

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले के धनागर क्षेत्र में एक दुर्लभ प्रजाति का सांप मिलने से सनसनी फैल गई। यह दुर्लभ 'रेड सैंड बोआ' सांप है, जिसे आम भाषा में दोमुंहा सांप भी कहा जाता है। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने सांप को देखकर तत्काल सर्प रक्षक समिति और वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर पहुंची टीम ने बड़ी सावधानी के साथ सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

बताया जा रहा है कि करीब 10 साल बाद रायगढ़ क्षेत्र में इस प्रजाति के सांप के दिखने का दावा किया जा रहा है। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की मौजूदगी में सांप का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया, जिसके बाद उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

विशेषज्ञों के अनुसार रेड सैंड बोआ पूरी तरह विषहीन होता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी भारी मांग के कारण इसकी तस्करी होती है। शासन द्वारा इसकी तस्करी पर सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि ऐसे दुर्लभ जीव दिखने पर उसे मारे नहीं, बल्कि विभाग को सूचना दें।

भिलाई–चरौदा नगर निगम को मिला नया आयुक्त, दो अफसरों का तबादला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रशासनिक दृष्टि से दो महत्वपूर्ण अधिकारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। मंत्रालय महानदी भवन से जारी आदेश क्रमांक–ESTB–102(1)/634/2026–UAD/559076 के अनुसार यह पदस्थापना समान सामर्थ्य पर प्रतिनियुक्ति के रूप में अस्थायी रूप से की गई है।

आदेश के अनुसार - सुदेश कुमार सुन्दरानी, जो वर्तमान में संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, रायपुर के पद पर पदस्थ थे, उन्हें नवीन पदस्थापना के तहत आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई–चरौदा, जिला दुर्ग बनाया गया है। श्री सुन्दरानी मूल रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी 'क' वर्ग के अधिकारी हैं। वहीं अरुण कुमार साहू, जो उप संचालक, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, नवा रायपुर अटल नगर के पद पर थे, उन्हें संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। वे भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी 'क' वर्ग के अधिकारी हैं। शासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिनियुक्ति भत्ता हेतु स्थायी वित्त निर्देश 29/2025 की कंडिका 6(1) लागू होगी। यह आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार अवर सचिव अजय तिर्की द्वारा जारी किया गया है।

विजयदशमी पर सियासी तीर : अडानी-संयंत्र विवाद पर भिड़े सांसद विजय बघेल और पूर्व सीएम भूपेश बघेल

दशहरा उत्सव के बहाने भिलाई में नई सियासी चचाओं ने जोर पकड़ लिया है, जिसकी गूंज अब नगर निगम चुनाव तक सुनाई दे रही है

खिलावन सिंह चौहान / भिलाई

विजयदशमी पर्व पर भिलाई की राजनीति में अनोखा संगम देखने को मिला। विरोधी नेता एक ही मंच पर नजर आए तो मंच से ही एक-दूसरे पर जमकर सियासी तीर भी चले। दशहरा उत्सव के बहाने भिलाई में नई सियासी चचाओं ने जोर पकड़ लिया है, जिसकी गूंज अब नगर निगम चुनाव तक सुनाई दे रही है।

सेक्टर-7 भिलाई में नवयुवक दशहरा उत्सव समिति एवं व्यापारी संघ द्वारा आयोजित विजयादशमी उत्सव में कांग्रेस और भाजपा के दिग्गज नेता एक साथ मंच साझा करते दिखे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, दुर्ग सांसद विजय बघेल, भाजपा कार्यसमिति सदस्य मनीष पांडेय, सर्व समाज कल्याण समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, पूर्व महापौर निर्मला यादव, भिलाई महापौर नीरज पाल सहित कई नेता मौजूद रहे।

मंच से ही छोड़े सियासी तीर

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा - "रावण परम ज्ञानी था, फिर भी हर साल उसे जलाया जाता है क्योंकि उसने साधु वेश में माता सीता की चोरी की थी, जो अक्षम्य अपराध है। आज सत्ता में बैठे लोग वोट की चोरी और चढ़ावा की चोरी कर रहे हैं, जिसे जनता माफ नहीं करेगी। आने वाले समय में जनता इस पाप का बदला लेगी, और जीत सत्य की होगी जैसे भगवान राम की हुई थी।"

वहीं सांसद विजय बघेल ने भिलाई इस्पात संयंत्र के अडानी को बिकने वाले बयान पर पलटवार करते हुए भूपेश बघेल के बयान को कोरी बकवास बताया। उन्होंने कहा - "पूर्व मुख्यमंत्री सफेद झूठ बोल रहे हैं। क्या वह अडानी के जनसंपर्क अधिकारी हैं या उनके यहां नौकरी करते हैं? मैं यहां का सांसद हूं, मुझे जानकारी नहीं है, स्टील मंत्रालय को जानकारी नहीं है, तो इनको कैसे पता चल जाता है? खुद अडानी को मालूम नहीं होता कि वह कहां जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री झूठी अफवाह फैलाना बंद करें, नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब जनता के आक्रोश के कारण वह जहां रह रहे हैं वहां भी नहीं रह पाएंगे।"

एक मंच, अलग विचारधारा

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने कहा कि मंच पर दोनों दलों के नेता मौजूद हैं। विचारधारा अलग हो सकती है, लेकिन बुराई को खत्म करने के लिए सभी को साथ आना चाहिए। राजनीति से ऊपर उठकर असत्य पर सत्य की जीत के संदेश को आत्मसात करना होगा।

सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने युवाओं से नशे से दूर रहने और पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा विजयदशमी सिर्फ रावण दहन नहीं, अपने भीतर के अहंकार और बुराइयों को खत्म करने की प्रेरणा है। सेक्टर-7 का यह आयोजन धार्मिक होने के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक रूप से भी खास रहा। एक तरफ रावण दहन हुआ तो दूसरी तरफ मंच से सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया गया।

खास खबर

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी, 4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम प्रकाशन, 2 नवंबर तक मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के द्वारा निर्वाचन नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संबंध में समयबद्ध कार्यक्रम जारी किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण 2 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा तथा निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवम्बर 2026 को किया जाकर इसी तिथि से 11 दिसंबर 2026 तक दावे / आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। 28 दिसम्बर 2026 तक दावे / आपत्ति के निराकरण पश्चात 04 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एवं दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

जिला मुख्यालय एक दिवसीय आयोजन 2 नवम्बर को, पुराना गंजमंडी में राज्योत्सव का होगा आयोजन

दुर्ग। राज्य गठन के उपलक्ष्य में शासन के निदेर्शानुसार जिला मुख्यालय दुर्ग में एक दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन 02 नवम्बर को पुराना गंजमंडी में किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजन की तैयारियों को लेकर समस्त जिला प्रमुख अधिकारियों की गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विगत वर्ष आयोजित राज्योत्सव पर चर्चा की गई। साथ ही इस वर्ष भी जिले की गरिमा के अनुरूप 02 नवम्बर को एक दिवसीय राज्योत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

विगत वर्ष की भांति विभागीय अधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपे गए है। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। उक्त प्रदर्शनी सशक्त नारी, युवा उड़ान के थीम पर होगी। आयोजन में स्थानीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी। राज्योत्सव के उपलक्ष्य में सभी शासकीय भवनों में 01 से 03 नवम्बर तक रात्रि में रोशनी की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को आयोजन स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियां प्रारंभ करने के निर्देश दिये। बैठक में नगर निगम दुर्ग की आयुक्त सुश्री लीना कोसम, जिला पंचायत के सीईओ बी.के. दुबे, एडीएम विरेन्द्र सिंह, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल गुप्ता, एसडीएम दुर्ग ग्रामीण सोनाल डेविड सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

नगरपालिका निर्वाचन 2026 : निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन आज

दुर्ग। नगरपालिका निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नगर निगम भिलाई, रिसाली, भिलाई-चरौदा एवं नगर पालिका परिषद जामुल के लिए 01 अक्टूबर 2026 अर्हता तिथि के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली तैयार करने के लिए समय-अनुसूची जारी की गई है। जारी आदेश के परिपालन में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत 23 अक्टूबर को दोपहर 3.30 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई है। इसके लिए राजनीतिक दलों से स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि को बैठक में उपस्थित होने को कहा गया है।

कुहारी-अहिवारा-पथरिया मार्ग के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार

26.60 किमी मार्ग का होगा उन्नयन, 24.06 करोड़ की लागत से डामरीकरण व पुल-पुलिया सहित होंगे विकास कार्य

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के महत्वपूर्ण कुम्हारी-अहिवारा-पथरिया मार्ग (राज्य मार्ग क्रमांक-21) के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन का कार्य क्षेत्रीय आवागमन को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 26.60 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के उन्नयन से सड़क की स्थिति बेहतर होने के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्ग को सुरक्षित, सुगम और टिकाऊ बनाने के लिए डामरीकरण सहित आवश्यक संरचनात्मक कार्य कराए जाएंगे।

भौगोलिक संपर्क की दृष्टि से यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश को जोड़ने के साथ क्षेत्र के प्रमुख मार्गों एवं महत्वपूर्ण आवागमन केंद्रों के लिए संपर्क मार्ग के रूप में उपयोगी है। मध्यप्रदेश के कान्हा-किसली राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह मार्ग महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करता है। इसके अलावा दुर्ग जिले के ग्रामीण अंचलों एवं अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से राजधानी रायपुर की ओर आवागमन में इस मार्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कुल लागत व प्रशासनिक स्वीकृति

इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 24 करोड़ 6 लाख 23 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। प्रशासनिक स्वीकृति 24 नवंबर 2025 को जारी हुई थी, जबकि कायार्देश 8 सितंबर 2026 को जारी किया गया है। कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगी गति

मार्ग के सुदृढीकरण से किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। बेहतर सड़क से यात्रा अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगी तथा समय और परिवहन लागत में कमी आएगी। कृषि उपज एवं अन्य सामग्री के परिवहन को भी गति मिलेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

26.60 किमी सड़क का होगा सुदृढ़ीकरण

परियोजना के तहत कुल 26.60 किमी मार्ग का सुदृढीकरण एवं उन्नयन किया जाएगा। सड़क पर 60 मिलीमीटर डीबीएम तथा 40 मिलीमीटर बीसी की डामरीकरण परत का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 2 मीटर साइड शोल्डर का निर्माण प्रस्तावित है। इन कार्यों से सड़क की मजबूती, टिकाऊपन और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

परियोजना से मिलेगा बहुआयामी लाभ

किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को आवागमन में सुविधा। यात्रा अधिक सुगम और सुरक्षित होगी। समय और परिवहन लागत में कमी आएगी। कृषि उपज एवं अन्य सामग्री के परिवहन को गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मार्ग के उन्नयन से ग्रामीण संपर्क व्यवस्था मजबूत होने के साथ क्षेत्रीय आवागमन को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीय व्यापार, कृषि गतिविधियों और आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान होगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

विकास की नई पहल : लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग द्वारा कराया जा रहा निर्माण कार्य

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार अधोसंरचना विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग दुर्ग द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 6 नवीन हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं।

इन कार्यों के लिए शासन द्वारा कुल 589.17 लाख रूपए अर्थात लगभग 5.89 करोड़ रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। पाटन, धमधा, दुर्ग और भिलाई क्षेत्र के इन भवनों को नवंबर-दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को इनका लाभ मिल सके। इनमें विकासखंड पाटन एवं धमधा सहित दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्र के शासकीय स्कूल भवन शामिल हैं।

लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार स्वीकृत कार्यों में पाटन विकासखंड के तेलीगुंडरा में हायर सेकेंडरी स्कूल भवन, धमधा विकासखंड के खिलोराकला और देवरी में हायर सेकेंडरी स्कूल भवन शामिल हैं। वहीं दुर्ग विकासखंड के पुलगांव और कैंप-02 भिलाई में शासकीय हाईस्कूल भवन तथा धमधा विकासखंड के मलपुरीकला में हाईस्कूल भवन का निर्माण कराया जाएगा। तेलीगुंडरा, खिलोराकला और देवरी में बनने वाले हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों के लिए प्रत्येक भवन हेतु 121.16 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस प्रकार तीनों भवनों के निर्माण पर कुल 363.48 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी प्रकार पुलगांव, मलपुरीकला और कैंप-02 भिलाई में बनने वाले हाईस्कूल भवनों के लिए प्रत्येक भवन हेतु 75.23 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। तीनों भवनों पर कुल 225.69 लाख रुपये खर्च होंगे।

हायर सेकेंडरी स्कूलों में 9 क्लासरूम और दो प्रयोगशालाएं: निमार्णाधीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों में 9 क्लासरूम, भौतिक शास्त्र और रसायन शास्त्र के लिए पृथक प्रयोगशालाएं, प्राचार्य एवं स्टाफ के लिए कार्यालय तथा आवश्यक शौचालय की सुविधा रहेगी। इससे कक्षा संचालन के साथ विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक अध्ययन के लिए भी उपयुक्त स्थान उपलब्ध होगा।

हाईस्कूलों में आर्ट और कंप्यूटर रूम की सुविधा : नवीन हाईस्कूल भवनों में 4 क्लासरूम, आर्ट रूम, कंप्यूटर रूम और लैब रूम का प्रावधान है। साथ ही प्राचार्य एवं स्टाफ के लिए कार्यालय तथा आवश्यक शौचालय भी बनाए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ कला, कंप्यूटर एवं प्रयोगात्मक गतिविधियों के लिए सुविधाएं मिलेंगी।

सेक्टर-04 श्री जगन्नाथ मंदिर में भव्य " तोरण लक्ष्मी सिंह द्वार" की हुई स्थापना

समाजसेवी स्व. दिलीप सतपथी की स्मृति को किया गया चिरस्थायी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

उत्कल समाज के प्रतिष्ठित समाजसेवी, शिक्षाविद एवं सेक्टर-04 श्री जगन्नाथ मंदिर के सदस्य और महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी के परम भक्त दिवंगत स्व. दिलीप सतपथी की पावन स्मृति में आज सेक्टर-04 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में भव्य "तोरण लक्ष्मी सिंह द्वार" की स्थापना की गई। जगन्नाथ संस्कृति और समाज सेवा के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण को जीवंत रखने के लिए उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अदिति सतपथी द्वारा इस "सिंह द्वार" की स्थापना का संकल्प लिया गया था, जो आज विधि-विधान के साथ पूर्ण हुआ।

धार्मिक व सांस्कृतिक अनुष्ठान

तीन दिन तक आयोजित इस पावन कार्यक्रम में मुख्य पुरोहित पंडित पितवास पाढ़ी एवं मंदिर के पुजारी ब्रज किशोर मिश्र तथा उड़ीसा से आए पंडितों की टीम द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और संपूर्ण विधि-विधान के साथ "सिंह द्वार" की स्थापना व पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। श्रीमती अदिति सतपथी के उपस्थित में इस मांगलिक अनुष्ठान में सीमांचल बेहेरा एवं श्रीमती ज्योत्सना बेहेरा ने मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहकर सभी धार्मिक कार्यों को श्रद्धापूर्वक पूर्ण किया। उत्कालिय शैली में निर्मित इस "सिंह द्वार" का निर्माण उड़ीसा के प्रख्यात शिल्पी आनंद महाराणा ने 6 माह में संपन्न किया। इसकी खूबसूरत पेंटिंग भी उड़ीसा से आए कलाकारों ने पूर्ण किया।

क्या है "सिंह द्वार" और इसका महत्व

ओड़िशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार यानी सिंहद्वार के तोरण पर स्थापित माँ तोरण लक्ष्मी का जगन्नाथ संस्कृति और स्थापत्य में अत्यंत विशिष्ट महत्व है। सिंहद्वार को मोक्ष और धर्म का द्वार माना जाता है। मान्यता है कि तोरण लक्ष्मी के दर्शन मात्र से सांसारिक क्लेश, मानसिक मलिनता और दरिद्रता का नाश होता है, जिससे श्रद्धालु अंतःकरण से शुद्ध होकर बाइस पाहच (22 सीढ़ियाँ) चढ़ते हुए गर्भगृह की ओर बढ़ते हैं।

नवनिर्मित सिंहद्वार के समक्ष दानदाताओं, सिंहद्वार शिल्पी तथा पुजारीओं का सम्मान।

सेक्टर-04 जगन्नाथ मंदिर में सिंहद्वार की स्थापना से स्थानीय श्रद्धालुओं को अब यहीं पुरी धाम की दिव्यता व भव्यता का अनुभव हो सकेगा।

स्व. दिलीप सतपथी का योगदान

स्व. दिलीप सतपथी उत्कल समाज के एक ऐसे प्रकाश स्तंभ थे, जिन्होंने न केवल जगन्नाथ संस्कृति के उन्नयन और प्रचार-प्रसार में अपना जीवन समर्पित किया, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अद्वितीय मिसाल कायम की। उन्होंने समाज के गरीब और मेधावी बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करने जैसे कई अनुकरणीय प्रयास किए। उनकी इसी जन-कल्याणकारी सोच और महाप्रभु के प्रति उनकी अगाध आस्था को अक्षुण्ण रखने के लिए उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अदिति सतपथी द्वारा यह सराहनीय पहल की गई है। श्रीमती अदिति सतपथी ने इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा "महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी के प्रति उनके पति स्व. दिलीप सतपथी जी का समर्पण अटूट था। यह सिंह द्वार न केवल उनकी पावन स्मृति को संजोए रखेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी जगन्नाथ संस्कृति और जनसेवा से जुड़ने की प्रेरणा देगा।"

त्रिदिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में इन का रहा योगदान:

त्रिदिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में जगन्नाथ समिति के महासचिव सत्यवान नायक, बसंत प्रधान, डी त्रिनाथ, बी सी बिस्वाल, सीमांचल बेहेरा, वृंदावन स्वाईं, अनाम नाहक, रंजन महापात्र, त्रिनाथ साहू, सुभाष पात्रो, कवि विस्वाल, प्रकाश स्वाईं, प्रकाश दास, कैलाश पात्रो, भीम स्वाईं, कालू बेहरा, लखन बिस्वाल, रवि स्वाईं, वी के होता, श्याम दलाई, सुशांत सतपथी आदि ने विशेष योगदान दिया।

आईआईटी भिलाई छठे दीक्षांत समारोह के आयोजन के लिए तैयार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई 24 अक्टूबर 2026 को अपने परिसर स्थित नालंदा हॉल में छठे दीक्षांत समारोह का आयोजन करने जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार सारस्वत, पूर्व सदस्य, नीति आयोग; पूर्व सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग एवं महानिदेशक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा भारत सरकार के रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और दीक्षांत भाषण देंगे। आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2026 में स्नातक उत्तीर्ण करने वाले कुल 313 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। वर्ष 2026 के स्नातक बैच में 19 पीएचडी, 37 एमएससी, 79 एमटेक, 08 बीटेक (ऑनर्स) तथा 170 बीटेक के विद्यार्थी शामिल हैं। अपने बैच में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले बीटेक विद्यार्थी को संस्थान स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों, दोनों क्षेत्रों में समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बीटेक और एमटेक के विद्यार्थियों को निदेशक स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। बीटेक, बीटेक (ऑनर्स) और एमएससी कार्यक्रमों में समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला विद्यार्थी को उत्कृष्ट महिला विद्यार्थी हेतु निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। विभिन्न शाखाओं और कार्यक्रमों में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीनेट पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भारत सरकार की पहल 'डिजिटल इंडिया' के अनुरूप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई भी सतत विकास तथा पर्यावरण-अनुकूल कार्यप्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री प्रमाणपत्र प्रदान करता है। डिजिटल डिग्री प्रमाणपत्र भारत के किसी शैक्षणिक संस्थान में लागू की गई अपनी तरह की पहली पहल है। अधिकृत हस्ताक्षरकताओं द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित डिग्री प्रमाणपत्र दीक्षांत समारोह के दिन स्नातक विद्यार्थियों को पेन ड्राइव में प्रदान किया जाएगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई की स्थापना 7 अगस्त 2016 को हुई थी। इसका उद्घाटन तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने किया था। 14 जून 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान की आधारशिला रखी। इसके बाद, 20 फरवरी 2024 को उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के अत्याधुनिक परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया। 27 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के फेज-ठ निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। 31 मई 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, छत्तीसगढ़ सरकार और दुर्ग नगर निगम के संयुक्त सहयोग से विकसित आईटी पार्क का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। यह राज्य का अपनी तरह का पहला आईटी पार्क है। इससे छत्तीसगढ़ में तकनीक, नवाचार, उद्यमिता, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे तथा राज्य में एक विश्वस्तरीय तकनीकी वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान 22 अक्टूबर से, सरस्वती बंजारे को मिली संचालन की जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देश पर 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान चलाएगी। अभियान के तहत निर्धारित सात कार्यक्रमों के समन्वय एवं संचालन की जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे को सौंपी है। यह निर्णय प्रियदर्शनी परिसर स्थित जिला कार्यालय में आयोजित बैठक में लिया गया।

क्या है अभियान का उद्देश्य?

जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जनजागरूकता बढ़ाना, विपक्ष के आरोपों पर तथ्यों के साथ पार्टी का पक्ष रखना तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं के प्रति जनविश्वास को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर से जुड़ी सही जानकारी जनता तक पहुंचाना जरूरी है। अभियान के दौरान घुसपैठ के मुद्दे, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका, आपातकाल के दौरान प्रेस पर प्रतिबंध और सेंसरशिप जैसे ऐतिहासिक विषयों पर भी जनसंवाद किया जाएगा। इसके साथ ही महिला अधिकारों, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों पर विपक्ष के कथित दोहरे मापदंडों पर भी चर्चा होगी।

अभियान के माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों - रक्षा, विज्ञान, बुनियादी ढांचे और जनकल्याण के क्षेत्र में भारत की प्रगति को भी जनता तक पहुंचाया जाएगा और विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति जनभागीदारी को मजबूत किया जाएगा।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण वर्मा, त्रिलोचन सिंह, पूनम शुक्ला, नटवर ताम्रकार, चन्ना केशवलु, कन्हैया सोनी, पारस जंघेल, रश्मि सिंह, भारती साहू, मनोज तिवारी, शैलेन्द्र सिंह, विनोद सिंह, प्रेमलाल साहू, योगेन्द्र सिंह, सचिन ताम्रकार, प्रेम चंद देवांगन, मदन सेन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री ने कोरबा में बरेठ समाज को दी 15 लाख के सामुदायिक भवन की सौगात

96 .76 लाख के कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन, कहा- समाज का विकास ही शहर के विकास की पहली सीढ़ी, पौने तीन वर्षों में करीब 60 समाजों को मिली विकास कार्यों की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कोरबा

छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन कोरबा के ढोढ़ीपारा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न समाजों एवं वार्डों में विकास कार्यों की सौगात देते हुए कुल 96.76 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 15 अंतर्गत जीटी हॉस्टल, सीएसईबी के नहर पुल के समीप बरेठ समाज की मांग पर डीएमएफ मद से 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। वहीं, वार्ड क्रमांक 18 कोहड़िया एवं आसपास के क्षेत्रों में 81.76 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि बीते पौने तीन वर्षों में कोरबा शहर के सभी समाजों की मांगों के अनुरूप विकास कार्य कराए जा रहे हैं। लगभग 60 समाजों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी जा चुकी है। आज बरेठ समाज को नए सामुदायिक भवन की सुविधा मिली है, वहीं कहरा समाज को भी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के सशक्त नेतृत्व में कोरबा में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। बीते तीन वर्षों में 1100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत

कार्य जल्द से जल्द धरातल पर उतरें और आम नागरिकों को उनका लाभ मिले। उन्होंने बताया कि आने वाले एक से दो महीनों में 100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की शुरूआत की जाएगी।

इन विकास कार्यों की मिली सौगात

इस दौरान उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री देवांगन ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी। लोकार्पण कार्य में वार्ड क्रमांक 15, जीटी हॉस्टल सीएसईबी के नहर पुल के समीप बरेठ समाज के लिए सामुदायिक भवन निर्माण लगात राशि 15 लाख रुपये है। इसी तरह भूमिपूजन कार्य में वार्ड क्रमांक 18, कोहड़िया में मुक्तिधाम निर्माण एवं विकास कार्य जिसकी लागत राशि 48.61 लाख रुपये है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 18 में पचरी निर्माण कार्य — 6.60 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 18, बावापारा कोहड़िया में पचरी निर्माण कार्य — 6.57 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 18 में सामुदायिक भवन के समीप पेवर ब्लॉक, शेड एवं अतिरिक्त विकास कार्य — 9.98 लाख रुपये शामिल है। साथ ही कहरा मोहल्ला सामुदायिक भवन के समीप शौचालय, किचन शेड एवं सांस्कृतिक मंच निर्माण 10 लाख रुपये, 15 लाख रुपये के कार्य का लोकार्पण और 81.76 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने की तथा नगर निगम सभापति नूतन ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

खास खबर

रायपुर में रविवार को छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड समारोह, प्रदेश की विभूतियां होंगी सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी के वृंदावन सभागृह में रविवार दोपहर 3 बजे छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। समाचार पत्र "दबंग स्वर रायपुर" के छठवें स्थापना दिवस पर यह सम्मान समारोह दबंग स्वर और वक्ता मंच सामाजिक सांस्कृतिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। समारोह में प्रदेश भर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

सम्मानित होने वाली विभूतियां - युगल किशोर तिवारी, रायपुर - वरिष्ठ पत्रकार, दो दशक से अधिक समय से पत्रकारिता में सक्रिय सेवा के लिए पत्रकारिता सम्मान।

लक्ष्मी नारायण लहरे 'साहिल', सारंगढ़ - वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार, दो दशक से अधिक समय से साहित्य सृजन और पत्रकारिता में सक्रिय भूमिका के लिए साहित्य एवं पत्रकारिता का संयुक्त सम्मान।

श्रीमती हीरा देवी निराला, सारंगढ़ - सामाजिक कार्यकर्ता, 20 वर्षों से दिव्यांग बच्चों की निस्वार्थ सेवा के लिए समाज सेवा सम्मान।

भैरव नाथ जाटवर, सारंगढ़ - समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए।

प्रांजल निराला एवं देवेश बनज, सारंगढ़-रायपुर - शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए।

सरिता गोयल, रायपुर - योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए।

आयोजन समिति ने बताया कि समारोह में प्रदेश भर के गणमान्य नागरिक, साहित्यकार, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।

अंबिकापुर - पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, पति गिरफ्तार

सरगुजा। कोतवाली थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 20 अक्टूबर को ग्राम केपी बाबापारा निवासी आलोक गिरी पिता बुटु गिरी (36) ने अपनी पत्नी मानमति से घरेलू बात को लेकर विवाद करते हुए लोहे के पाइप और लकड़ी के डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रार्थिया मालती देवी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 737/26 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, लकड़ी का डंडा, कराकट शीट का टुकड़ा और मृतिका की टूटी हुई चूड़ी जब्त की है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

बॉम्बे आवास उरला में युवक की चाकू मारकर हत्या, चंद घंटों में आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र के बॉम्बे आवास उरला में युवक की धारदार हथियार से हत्या के मामले में दुर्ग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 अक्टूबर को बॉम्बे आवास उरला स्थित सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल के पास 19 वर्षीय युवक शिव बहादुर सिंह सोनी उर्फ शिवा, निवासी बॉम्बे आवास उरला पर धारदार हथियार से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मोहन नगर पुलिस ने जांच शुरू की और पतासाजी कर आरोपी लक्ष्मी नारायण सारथी, उम्र 20 वर्ष, निवासी हरना बांधा, जिला दुर्ग को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

किसानों की आय बढ़ाने खेती के साथ पशुपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी को दें बढ़ावा : कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में सरगुजा संभाग की कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सरगुजा

किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए परंपरागत खेती के साथ पशुपालन, कुक्कुटपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। सरगुजा संभाग में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। स्थानीय जलवायु, उपलब्ध संसाधनों और किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए फसल विविधीकरण तथा कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने गुरुवार को अम्बिकापुर में आयोजित कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

बैठक में खरीफ वर्ष 2026 के दौरान कृषि एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी रबी सीजन 2026-27 की तैयारियों, बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, फसल विविधीकरण, कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के संबंध में चर्चा हुई। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने कहा कि खरीफ सीजन में प्रदेश के साथ सरगुजा संभाग के सभी जिलों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए रबी सीजन में भी सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।

फसल विविधीकरण से बढ़ेगी किसानों की आय, दलहन-तिलहन और प्राकृतिक खेती को मिले बढ़ावा

श्री परदेशी ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के साथ वैकल्पिक एवं अधिक लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। सरगुजा संभाग में दलहन, तिलहन, प्राकृतिक खेती और उद्यानिकी फसलों के विस्तार की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने रबी पड़ती भूमि में उपलब्ध नमी का उपयोग कर अतिरिक्त क्षेत्राच्छादन बढ़ाने तथा ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन के लिए उन्नत एवं प्रमाणित बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) की समीक्षा करते हुए किसानों को योजना का अधिकाधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। विशेष रूप से सरसों की खेती का रकबा और उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को उपार्जन व्यवस्था की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जागरूकता गतिविधियां संचालित करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सरगुजा की अनुकूल जलवायु का लाभ उठाएं, लीची, स्ट्रॉबेरी और आलू की खेती का करें विस्तार

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सरगुजा संभाग की जलवायु विभिन्न प्रकार की उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए अनुकूल है। इस संभावना का लाभ उठाते हुए किसानों को लीची, स्ट्रॉबेरी, आलू और ऑयल पाम जैसी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से आलू उत्पादन का क्षेत्रफल बढ़ाने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि के प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में ऑयल पाम एवं अन्य फलदार पौधों के रोपण क्षेत्रों में अंतरवर्तीय फसल उत्पादन, धान आधारित फसल पद्धति में उद्यानिकी फसलों के समावेश तथा क्षेत्र की जलवायु के अनुरूप फसलों के चयन पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हुए उद्यानिकी के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर विकसित किए जाएं।

रबी सीजन के लिए बीज और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

कृषि उत्पादन आयुक्त ने रबी वर्ष 2026-27 के लिए बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की मांग, उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी जिलों में अग्रिम कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में फर्टिलाइजर सेल फ्रेमवर्क (एफएफएस) के माध्यम से उर्वरक वितरण प्रणाली के पायलट जिलों के अनुभवों तथा रबी सीजन से इसे राज्यभर में लागू करने की आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही श्साथी-2श प्रणाली से बीज वितरण, एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन, कृषि आदान गुणवत्ता नियंत्रण, हरी खाद एवं नील हरित काई के माध्यम से पोषण प्रबंधन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के निर्धारित संकेतकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

पशुपालन और डेयरी गतिविधियों के विस्तार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

पशुधन विकास विभाग की समीक्षा में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कृत्रिम गभार्धान, वत्सोत्पादन, पशु टीकाकरण, गौशाला संचालन तथा गौधाम योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने और पशुपालकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) एवं पीपीआर टीकाकरण, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट की गतिविधियों, दुग्ध सहकारी समितियों के गठन तथा दुधारू पशु प्रदाय संबंधी पायलट परियोजना की समीक्षा की गई।

उन्होंने पशुपालन, बकरीपालन और कुक्कुटपालन जैसी गतिविधियों को ग्रामीण परिवारों की अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए इनके विस्तार के लिए विभागीय समन्वय और हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में पशु चिकित्सालयों एवं औषधालयों के भवन निर्माण, पशु कल्याण से संबंधित गतिविधियों तथा अन्य विभागीय कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई।

मत्स्यपालन में आधुनिक तकनीकों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

मत्स्यपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने मत्स्यपालकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित कर आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मत्स्यपालन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण साधन है। इसके लिए उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए उत्पादन बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए जाएं। बैठक में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राज्य शासन की योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति, नेशनल फिशरमेन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीयन तथा अमृत सरोवरों को मत्स्यपालन गतिविधियों से जोड़ने की संभावनाओं की समीक्षा की गई। मत्स्यपालन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए।

स्थानीय संसाधनों के अनुरूप कृषि नवाचारों को दें प्राथमिकता - संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा

संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने कहा कि सरगुजा संभाग कृषि एवं उससे जुड़ी आजीविका गतिविधियों के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। कृषि के साथ पशुपालन, कुक्कुटपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के नए अवसर विकसित हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही परंपरागत कृषि पद्धतियों के उपयोगी पहलुओं को आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़कर किसानों को अधिक लाभ दिलाने की दिशा में कार्य किया जाए।

सभी जिलों के कलेक्टरों ने प्रस्तुत की कृषि योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना

बैठक में सरगुजा संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने-अपने जिलों में खरीफ 2026 की उपलब्धियों, कृषि योजनाओं की प्रगति, फसल विविधीकरण, रबी सीजन की तैयारियों तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। कृषि एवं संबद्ध विभागों के राज्य स्तरीय अधिकारियों ने योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों, निर्धारित लक्ष्यों और आवश्यक सुधारों के संबंध में जिला अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

बैठक में कृषि संचालक राहुल देव, संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं चंद्रकांत वर्मा, संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी लोकेश कुमार तथा संचालक मत्स्यपालन नारायण सिंह नाग उपस्थित रहे। सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत, जशपुर कलेक्टर रोहित व्यास, सूरजपुर कलेक्टर सुश्री रेना जमील, बलरामपुर-रामानुजगंज कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर कलेक्टर श्रीमती संतन देवी जांगड़े तथा कोरिया कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित सभी जिलों के जिला पंचायत सीईओ और कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोसीर में ऐतिहासिक गढ़-विच्छेदन दशहरा उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया, परसा के फूल लोक कला मंच ने बांधा समां

नई दृष्टिबिंदु / सारंगगढ़-बिलाईगढ़

सांस्कृतिक नगरी के रूप में पहचान रखने वाले ग्राम कोसीर में इस वर्ष भी दशहरा पर्व पर ऐतिहासिक गढ़-विच्छेदन उत्सव बड़े हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। हाई स्कूल मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सारंगढ़ रियासत कालीन परंपरा का निर्वहन किया गया।

सारंगढ़ रियासत में गढ़-विच्छेदन का ऐतिहासिक महत्व रहा है और मुख्य गढ़ उत्सव के समकक्ष ही कोसीर के गढ़ उत्सव को माना जाता है। परंपरा अनुसार शाम को कर्मा नृत्य दल नाचते-गाते हुए मैदान पहुंचा, जहां गढ़ का निर्माण किया गया था।

परसा के फूल मंच की रंगारंग प्रस्तुति

कार्यक्रम की खास बात रही परसा के फूल लोक कला मंच की प्रस्तुति। यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ और विधायक उत्तरी जांगड़े के सौजन्य से आयोजित था। कलाकारों ने कर्मा, सुआ, डंडा, राउत नाचा और छत्तीसगढ़ी लोकगीतों से देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध रखा।

विधायक उत्तरी जांगड़े रहीं मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सारंगढ़ विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े रहीं। उनके साथ विधायक प्रतिनिधि गनपत जांगड़े,

जनपद सदस्य हिरा भैरवनाथ जाटवर, कांग्रेस नेता विष्णु चंद्रा, सरपंच सुमन राजेंद्र राव, उप सरपंच लता पोलेश्वर बनज, पत्रकार गोल्डी लहरे, अशोक वर्मा सहित पंचगण व ग्रामीण उपस्थित रहे।

सरपंच व पंचों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। विधायक जांगड़े ने सभी को नवरात्रि-दशहरा की बधाई देते हुए कहा कि कोसीर की यह परंपरा पूरे जिले के लिए गौरव है, इसे सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी है।

करन कुर्रे ने जीती गढ़ दौड़

गढ़-विच्छेदन के मुख्य आकर्षण गढ़ दौड़ में 20 प्रतिभागी शामिल हुए। बालपुर के युवा करन कुर्रे ने सबसे तेज दौड़कर गढ़ का विच्छेदन कर जीत हासिल की। ग्राम पंचायत द्वारा उन्हें 3100 रुपये और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद ग्रामीण आराध्य देवी मां कौशलेश्वरी मंदिर पहुंचे और सुख-समृद्धि की कामना की।

नाम परिवर्तन

प्रारुप एक

नाबालिक पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मै मनीष कुमार संगर MANISH KUMAR SANGER (माता/पिता/पालक का नाम) पिता अमर लाल संगर गांव / शहर सी ब्लाक 303, वार्ड नं. 55 महेश बस्ती के सामने, ऋषभ ग्रीन सिटी दुर्ग, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपने नाबालिक पुत्री रिशिका संगर RISHIKA SANGER (पुराना नाम) से बदलकर हर्षिता एम संगर HARSHITAAM SANGER (नया नाम) रख लिया है।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

संपादकीय

आंदोलन व अपराध करने में अंतर होता है

लोकतंत्र में जब कहा जाता है कि आंदोलन करना लोगों का अधिकार है तो कुछ लोगों को यह लगता है कि आंदोलन करने के नाम पर वह कुछ भी कर सकते हैं,करवा सकते हैं। आंदोलन करने के अधिकार को वह अपराध करने का अधिकार समझ लेते हैं और आंदोलन करने के नाम पर अपराध करते भी है और अदालत से उम्मीद करते हैं कि वह उनके आंदोलन करने को दौरान जो कुछ भी किया गया है, उसे आंदोलन ही माने, उसे पुलिस की तरह अपराध न माने। वह मानते हैं कि पुलिस ने उनको पकड़कर गलती की है,पुलिस ने उनके साथ ज्यादती की है, वह कह रहे हैं तो अदालत भी माने कि उनके साथ ज्यादती हुई है और इसीलिए उनको आंदोलनकारी मानकर छोड़ दिया जाए, उनके खिलाफ दर्ज मामले को वापस लिया जाए और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जो भी आंदोलन करता है, वह खुद को पाकसाफ व पुलिस को ज्यादती करने वाला बताता है। ऐसे में अदालत को आंदोलन करने वालों को यह एहसास कराना जरूरी होता है कि पुलिस ने अपराध दर्ज किया है तो इसलिए कि आपने आंदोलन के नाम पर अपराध किया गया है।

यही वजह है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने जंतर.मंतर पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने और बैरिकेड तोड़ने के मामले में कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत पर सुनवाई के दौरान सौरव दास व आशुतोष रंका को एहसास दिलाने का प्रयास किया कि आपने कुछ तो गलत किया है, इसलिए पुलिस ने आपको पकड़ा है और अदालत ने आपको न्यायिक हिरासत में भेजा है।आपको कानून का पालन करना चाहिए था, आपने नहीं किया। इन नेताओं पर जंतर.मंतर पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराने की कोशिश करने का आरोप है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विरोध प्रदर्शनों के लिए पुलिस की अनुमति लेने का मकसद सिर्फ प्रदर्शनकारियों पर पाबंदी लगाना ही नहीं होता है।यही वजह है कि अदालत ने यह सवाल भी किया कि जब जंतर.मंतर को विरोध.प्रदर्शन स्थल के रूप में डिनोटिफाइड कर दिया तो आप गए क्यों।

कोर्ट ने दोनों के जरिए देश के युवाओं व आंदोलन करने वालों को यह संदेश दिया है कि पुलिस जब कहीं पर बेरीकेड लगाती है तो बैरिकेड्स किसी खास मकसद से लगाए जाते हैं। जब आंदोलन करने वाले बैरिकेड तोड़ते हैं तो होता क्या है,जहां जाने से लोगों को रोका जाता है तो वहां लोगों के आने का रास्ता खुल जाता है और वहां और लोगों के आने की संभावना बन जाती है, ऐसे लोग जिन पर आंदोलनकारियों का नियंत्रण नहीं होता है। फ्रांस में छात्रों के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए हाई कोर्ट ने कहा हम अपने देश के बाहर भी ऐसा ही कुछ देख रहे हैं। जो एक छात्र विरोध के रूप में शुरू हुआ था वह अब आगजनी और लूटपाट में बदल गया है इसीलिए आंदोलन के पहले पुलिस की अनुमति की जरूरत होती है। इसका मकसद किसी को आंदोलन करने से रोकना नहीं होता है, आंदोलन के दौरान दूसरे लोगों को कोई परेशानी न हो, ऐसी व्यवस्था आंदोलन के पहले करना होता है। आंदोलन के दौरान कई लोग अपराध भी कर सकते हैं, पुलिस व्यवस्था आंदोलन के दौरान कोई अपराध न हो ऐसी व्यवस्था करती है।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी साफ कर दिया कि जेन जी के नाम पर नेपाल,बांग्लादेश,श्रीलंका में जो कुछ हुआ वह गलत था फ्रांस में जो कुछ हो रहा है वह भी गलत है इसलिए देश में भी जेन जी के नाम पर कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। आंदोलन के अधिकार के नाम पर कहीं भी,कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।सुप्रीम कोर्ट ने संसद मार्च के दौरान छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने को कहा था और मामले सरकार ने वापस भी लिए थे तो देश में कुछ लोगों को लगा कि देश में छात्रों के नाम पर जेन जी के नाम कुछ भी किया जाएगा तो कोर्ट उनके साथ नरमी से पेश आएगी।अदालत ने साफ कर दिया है कि जेन जी के नाम पर देश में कुछ भी न किया जाए,कुछ किया जाएगा तो उसके साथ हमेशा नरमी से पेश नहीं आया जाएगा। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आंदोलन आंदोलन की तरह किया जाए, आंदोलन के नाम पर अपराध किया जाएगा तो उसे अपराध की तरह लिया जाएगा।

काकरोच जनता पार्टी का जंतर मंतर का आंदोलन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के कारण सफल हो गया तो काजपा के नेताओं को वहम हो गया था वह इस देश में बड़ी राजनीतिक ताकत हो गए हैं, वह जो चाहेंगे वह हो जाएगा। वह जहां चाहेंगे धरना प्रदर्शन करेंगे, उनको कोई रोक नहीं सकता। वह बिना अनुमति जंतर मंतर पर कई दिनों तक प्रदर्शन कर सकते हैं तो वह जंतर मंतर पर तिरंगा भी फहरा सकते हैं। वह भूल गए कि जब वह बिना अनुमति जंतर मंतर पर धरना दे रहे थे तो जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया जा सकता था और जब वह तिरंगा फहराने गए तो जंतर मंतर पर प्रदर्शन पर रोक लग गई थी यानी अब जंतर मंतर में प्रदर्शन के लिए जाना अपराध हो गया था और सीजेपी के नेताओं ने जंतर मंतर में बिना अनुमति घुसकर अपराध किया तो पुलिस ने तो उनको पकड़कर एहसास दिलाया है कि आपने अपराध किया है, हाईकोर्ट ने एहसास दिला दिया है कि आंदोलन व अपराध में अंतर होता है, इस अंतर को सीजेपी के नेताओं सहित सभी दलों के नेता याद रखें।

हिमालय को बचाने के लिए वैज्ञानिक निगरानी जरूरी

जय सिंह रावत

नेपाल की विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी आपदाओं के छिपे खतरे उजागर किए हैं। उपग्रह आंकड़ों से पता चला कि पहाड़ टूटने से पहले ही खिसकने लगा था। काश! हम समय रहते संकेत पहचान पाते। नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खुलासा किया है, जो समूचे हिमालय के लिए खतरे की घंटी है। जिस पहाड़ के टूटने से नेपाल और चीन में हजारों लोग मारे गए अथवा लापता हो गए, वह आपदा से कई सप्ताह पहले ही खिसकने लगा था। यूरोपीय सेंटिनल-1 उपग्रह ने 48 दिनों के दौरान उसकी सतह में 40 सेंटीमीटर तक का संचलन दर्ज किया था। इसका अर्थ है कि पहाड़ के भीतर बढ़ती अस्थिरता के संकेत अंतरिक्ष से मिल रहे थे, लेकिन उन्हें समय रहते प्रभावी चेतावनी में नहीं बदला जा सका। यह खुलासा इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की 13 अक्तूबर को जारी वैज्ञानिक रिपोर्ट में हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त की सुबह लगभग 8:37 बजे नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 7,227 मीटर ऊंचे लांगटांग लिरुंग पर्वत के उत्तरी हिस्से से लगभग 13.2 करोड़ घनमीटर चट्टान और हिमनद की बर्फ टूटकर नीचे आ गिरी। करीब 1,200 मीटर नीचे ल्हेंदे खोला घाटी में गिरते ही यह विशाल द्रव्यमान चट्टानों, बर्फ, मिट्टी और पानी के प्रचंड प्रवाह में बदल गया। विनाशकारी मलबा-बाढ़ नेपाल-चीन सीमा से गुजरती हुई भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में फैल गई। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि दूरस्थ भूकंपीय उपकरणों ने भी कंपन दर्ज किया।

इस वैज्ञानिक अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हैं। सेंटिनल-1 की रडार तकनीक ने 7 जुलाई से 24 अगस्त के बीच पर्वतीय ढलान में क्रमिक परिवर्तन दर्ज किया। इस तकनीक को इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक अपर्चर रडार कहा जाता है। इसके माध्यम से बादलों और अंधेरे की परिस्थितियों में भी धरातल की सूक्ष्म हलचलों का आकलन संभव है। हालांकि, 40 सेंटीमीटर का आंकड़ा उपग्रह की दृष्टिरेखा की दिशा में मापा गया संचलन है, न कि पहाड़ के वास्तविक विस्थापन का संपूर्ण माप। फिर भी, यह बढ़ती अस्थिरता का एक महत्वपूर्ण संकेत था।

वैज्ञानिकों ने एक अन्य धारणा में भी संशोधन किया है। प्रारंभ में इस बाढ़ को हिमनद झील के फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन अध्ययन के अनुसार, इसका प्रमुख कारण आधारशिला का व्यापक रूप से टूटना था। चट्टानें अपने ऊपर स्थित हिमनद की बर्फ को साथ लेकर नीचे गिरीं और इससे विनाशकारी मलबा प्रवाह उत्पन्न हुआ।

वैज्ञानिकों ने कई संभावित कारणों की पहचान की है। इनमें भूगर्भीय दरारें, वर्ष 2015 के नेपाल भूकंप से उत्पन्न क्षति, स्थायी रूप से जमी भूमि का पिघलना, हिमनदों में परिवर्तन और बर्फ के भार में उतार-चढ़ाव शामिल हैं। बढ़ता तापमान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमी बर्फ और चट्टानों के बीच प्राकृतिक बंधन को कमजोर कर सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने अभी किसी एक कारण को निर्णायक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया है। इस आपदा ने मौजूदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों की सीमाएं भी उजागर की हैं। अधिकांश व्यवस्थाएं वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ पर केंद्रित हैं। लेकिन जब हजारों मीटर की ऊंचाई से करोड़ों घनमीटर चट्टान और बर्फ अचानक टूटकर गिरती है, तब नीचे स्थापित जलस्तर मापक उपकरण पर्याप्त समय पहले चेतावनी देने में सक्षम नहीं होते। नेपाल की घटना में चेतावनी संदेश पहाड़ टूटने के लगभग 38 मिनट बाद भेजे गए। तब तक विनाशकारी प्रवाह कई प्रभावित बस्तियों से गुजर चुका था।

यह चेतावनी भारत, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फरवरी 2021 की ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा में भी ऊंचाई पर चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटने से विनाशकारी बाढ़ उत्पन्न हुई थी। इस घटना ने तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना सहित नदी घाटी के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। केदारनाथ की 2013 की त्रासदी और हिमालय की अन्य घटनाएं बताती हैं कि पर्वतीय आपदाओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, लेकिन निचले इलाकों में बसे समुदायों के लिए उनके परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं।

उत्तराखंड में वसुंधरा ताल जैसी संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी की पहल उपयोगी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को केवल झीलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ऊंचे पर्वतीय ढलानों, हिमनदों, अस्थिर चट्टानों और नदी घाटियों का संयुक्त जोखिम मानचित्र तैयार करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच नियमित वैज्ञानिक समन्वय आवश्यक है।

उपग्रहों से संवेदनशील ढलानों की पहचान करने के बाद वहां भू-संचलन मापक उपकरण, स्वचालित मौसम केंद्र, भूकंपीय संवेदक और नदी प्रवाह निगरानी प्रणालियां स्थापित की जा सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि वैज्ञानिक जानकारी केवल शोध संस्थानों तक सीमित न रहे। इसे जोखिम के आधार पर वर्गीकृत करके प्रशासन, जलविद्युत परियोजनाओं, सीमावर्ती सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए। चेतावनी के साथ-साथ सुरक्षित स्थानों, निकासी मार्गों और नियमित अभ्यास की तैयारी भी जरूरी है। नेपाल, चीन और भारत के पर्वतीय जलागम क्षेत्र परस्पर जुड़े हुए हैं। इसलिए उपग्रह आंकड़ों, मौसम संबंधी सूचनाओं और संभावित खतरों की समयबद्ध साझेदारी अनिवार्य है।

सत्तर साल जिया, मगर जाना क्या?

हरिशंकर व्यास

अपनी सत्तर वर्ष की उम्र में बुजुर्गों के जिए हुए जीवन और उनकी स्मृतियों में मैंने अपना बचपन तलाशा तो अपने ही समय को लेकर कई सवाल उठे। पचास वर्षों की पत्रकारिता में जिस भारत को देखा, जाना, समझा और लिखा, क्या वह इन लोगों के जिए हुए भारत से अलग था? या एक ही देश और समय को हम अपनी-अपनी दुनिया से अलग-अलग देखते रहे? लंबा जीना और जीवन को बड़ा जीना क्या एक ही बात है? और अब, जब मशीनें भी सोचने-लिखने लगी हैं, तब अपने जिए हुए जीवन, अपनी स्मृतियों और अनुभवों का अर्थ क्या रह जाता है? आखिर जो मैंने जिया, वह कितना समझा? जो समझा, वह कितना लिखा? और जो अब तक नहीं समझ पाया, उसे लिखने को क्या बचा है?

लिखने का बचा क्या?
मैं सत्तर वर्ष का हुआ।
न असाधारण बात है, न साधारण।

बावजूद इसके समय को लेकर मन में विचार खदबदा रहे हैं। क्यों न हों? देखते-देखते हाल के वर्षों में कितने ही हमउम्र और अपने से छोटे परिवारजन, सहपाठी और पत्रकार साथी दिवंगत हो गए। किशन मानसिंहका, जगदीप बैंस, जगदीश जोशी, जगदीप, कृष्ण चोपड़ा, शेख रियाजुद्दीनज छोटे भाई-बहन, बचपन की स्मृतियों में बसे चेहरेज। और संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एलएंडडी श्रेणी के कई वरिष्ठ सहपत्रकारों की मृत्यु के समाचार भी मिलते हुएज्। किसी के जाने का समाचार अचानक आया, किसी के बारे में पहले से बीमारी की खबर थी। कभी जिन लोगों के साथ मन मिला, काम किया, गपशप की और जिनका होना रोजमर्रा की दुनिया की हलचल थी, वे अब नहीं हैं। इन दिनों भी 'नया इंडिया' की रिपोर्टर डायरी के विवेक सक्सेना की सेहत, उसका आईसीयू में जाना-आना व्यथित किए हुए है।

यों जीवन और मृत्यु के बारे में सोचने के लिए सत्तर वर्ष का होना जरूरी नहीं है। लेकिन इस उम्र में किसी के जाने का समाचार केवल उसके न रहने का समाचार नहीं होता। उसमें अपनी उम्र का बोध भी शामिल होता है। एक-एक कर वे लोग जा रहे हैं, जिनके साथ जीवन का कोई समय बीता था। किसी के साथ बचपन, किसी के साथ जवानी, किसी के साथ पत्रकारिता के दशकों का साथ। उनके जाने से केवल उनका साथ नहीं छूटता, अपने बीते हुए समय का भी कुछ हिस्सा मानो छूट जाता है।

शायद इसलिए इस विजयादशमी को, जब मेरे सत्तर वर्ष पूरे हुए, तो मुझे पहली सुध उन लोगों की हुई, जिन्होंने मेरा बचपन देखा, जाना और समझा था। आखिर मैं अपने बचपन को कितना जानता हूं? उसकी कितनी यादें मेरी अपनी हैं और कितना वह समय दूसरों की स्मृतियों में बचा हुआ है? जो मैं नहीं जानता, उस मेरे बचपन को वे जानते हैं। तब क्यों न अपने जन्मस्थान लौटूं? उन लोगों के बीच बैठूं जो मुझसे उम्र में बड़े हैं, जिन्होंने मेरे माता-पिता को जाना, घर-परिवार को देखा और उस समय को जिया, जिसमें मेरा जन्म हुआ था। पर अब ऐसे लोग कितने बचे होंगे? और जो बचे हैं, उनकी स्मृतियों में क्या-क्या बचा होगा? क्या उन्हें वे बातें याद होंगी, जिनका मुझे कोई भान नहीं? क्या उनके बताए किस्सों में मुझे अपना ही कोई अनजाना चेहरा दिखाई देगा?

मन में यह भी सवाल है कि जिन लोगों ने अस्सी, नब्बे या उससे अधिक वर्ष जिए हैं, उन्होंने जीवन को कैसे जाना? क्या लंबा जीना और जीवन को भरपूर जीना एक ही बात है? क्या उम्र बढ़ने के साथ बीता हुआ समय अधिक साफ दिखाई देता है या स्मृतियां भी धीरे-धीरे धुंधली पड़ जाती हैं?

अजीब है कि एक ओर अपने से छोटे और हमउम्र लोगों के जाने के समाचार हैं, तो दूसरी ओर अपने से बड़े, अभी जीवित लोगों के बीच बैठने की इच्छा! जिनके साथ जीवन का बड़ा हिस्सा बीता, वे जा रहे हैं और जिन्होंने मेरे जीवन की शुरूआत देखी थी, उनसे मिलने का समय भी अब कितना बचा है?

शायद सत्तर वर्ष का होना मेरे लिए फिलहाल यही है। अपने आसपास से विदा होते लोगों की याद और अपने जन्मस्थान में बचे हुए लोगों से मिलने की बेचैनी। आखिर अपने जीवन के बारे में कितना कुछ है जो मुझे स्वयं नहीं मालूम। और फिर जो जानते हैं, वे भी कब तक रहेंगे?

इसीलिए इस विजयादशमी को, अपने जन्मदिन से पहले मन में खयाल आया कि जन्मदिन पर दिल्ली में क्यों रहा जाए? क्यों न उस जगह लौटूं जहां जन्म लिया था? जहां अभी भी 94-95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अध्यापक भी रहे। किसी ने तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेशन कोर्ट में क्लर्क की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के सबसे मस्त, मजेदार और बेफिक्र दिनों को अपनी पूरी मस्ती में जीते थे !मैं उम्रदराज भाईबंदों के आगे आज भी छोटा हूं। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार-चढ़ाव, कुनबे और समाज के सुख-दुख, हंसी-गमी तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे अधिक देखा, भोगा और समझा है।

सो, क्यों न उनके बीच कुछ समय गुजारूं? बैठूं, बातें करूं। जानूं कि वे अपने इतने लंबे जीवन को कैसे देखते हैं? क्या याद रह गया है और क्या पीछे छूट गया? कितने कष्ट झेले? अपने ही कुल, वंश की तीन-चार पीढ़ियों में आए परिवर्तनों को वे कैसे देखते हैं? समय का यह सफर उन्हें कैसा लगता है? वे कितना हंसे, कितना मन ही मन रोए? और अब जीवन को लेकर कितना संतोष है या संताप? क्या उम्र बढ़ने के साथ जीवन का अर्थ भी बदलता है या केवल उसे देखने का ढंग बदल जाता है?

दिल्ली में रहते हुए उम्र का बोध कुछ और होता है। अपने काम, अखबार, खबरों और देश-दुनिया की घटनाओं के बीच दिन निकल जाते हैं। वहां उन साथियों की कमी महसूस होती है जो अब नहीं रहे। जन्मस्थान में अपने से बड़े लोगों के बीच शायद उम्र का दूसरा अर्थ है। वहां मैं उन लोगों के बीच होऊंगा, जिन्होंने मुझसे अधिक जीवन देखा है, लेकिन जिनके जीवन का हिसाब मेरे जीवन से निश्चित ही अलग, बिल्कुल अलग होगा।

मूल सवाल है, लंबे समय तक जीना ही क्या बड़ी बात है? या जीवन को बड़ा जीना कुछ और है? यह सवाल मेरे अंतर्मन की उस खदबदाहट से भी जुड़ा है कि 15 अगस्त 1947 को जब भारत का जन्म एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हुआ, आधुनिकता के राष्ट्र-राज्य के खांचे में, तो उसके साथ हिंदू सभ्यता की चिरंतनता, निरंतरता की दास्तान भी जुड़ी हुई थी। बावजूद इसके आज 145 करोड़ लोगों के सामने यह यक्ष प्रश्न है कि हमारी इस अमिटता में मानव सभ्यता की दृष्टि से बड़ा जीने जैसा क्या है? हजारों वर्षों से बने रहना एक बात है, लेकिन उन हजारों वर्षों में हमने जीवन को कितना बड़ा बनाया?

आखिर बड़ा जीना किसे कहें? यह सवाल व्यक्ति के लिए है, कुनबे के लिए है, तो नस्ल, देश और समूची मानवता के लिए भी है। क्या नहीं? खासकर अब, जब एआई के आने वाले समय में मनुष्य और मानवता के अर्थ ही बदलने की संभावना है?

बहरहाल, फिलहाल खदबदाहट व्यक्तिगत है। सो, व्यक्ति के मायनों में ही लंबे जीने और बड़ा जीने के बीच का फर्क समझने की इच्छा है। और मैंने सचमुच विजयादशमी के दिन ओमजी, सुरेशजी, केपी, गोपाल, मामीजी और मौसी के जिए हुए जीवन से जो जाना, वह अजीब सा था। अपने सत्तर वर्षों में, खासकर कॉलेज की पढ़ाई के बाद नई दिल्ली के जेएनयू हॉस्टल से शुरू हुए पिछले पचास वर्षों में मैंने जो सोचा, जाना और लिखा, वह सब उनकी बातें सुनकर कुछ बेतुका सा लगा। वे कह रहे थे, 'हमने समय देखा है, समय को जिया है। इसमें नेहरू हों या कोई दूसरी सरकार, म्हांकी जिंदगी, लोगों की जिंदगी जसी चाल री थी, वसी ही चालती आई हैइ। पर हां, अब ईर्ष्या है, भूख है, दिखावा है। और घर-परिवारों का ऐसा बिखराव है कि 'अबाणू सुरेशजी की बहन की मृत्यु हुई तो वाके उठावणे में चार लोग नी आयाइ। जबकि रायला में ही चालीस लोगों के हजारों में फैले परिवारों में लोगों की कोई कमी नहीं। इतने लोग हैं, इतने रिश्ते हैं, मगर किसी के जाने पर चार लोग भी नहीं जुटते!

और फिर अनुभवों की जुगाली करते उन चेहरों से बदलते समय के वे रंग भी जाने, जो खूब चटकीले हैं, मगर जिनमें इंद्रधनुषी छटा नहीं है। मेरा मानना है कि 1947 से कुछ वर्ष पहले जन्मे ये भाईबंद, रिश्तेदार और स्वतंत्रता के बाद जन्मे मैं तथा मेरे हमउम्र लोग, यानी स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी (मैं जिसकी कालावधि अपने पैमाने पर अगस्त 1947 से मई 1964 में नेहरू की मृत्यु तक मानता हूं), शायद एक ऐसे समय के गवाह हैं, जिसमें भारत ने चटकीलापन तो खूब पाया, मगर परिवार, समाज, धर्म, लोकव्यवहार और लोक-संवेदनाओं के इंद्रधनुषी रंग गंवाकर। पर क्या सचमुच ऐसा हुआ है?

और इतनी जल्दी ऐसा निष्कर्ष भला क्यों निकालना!

निश्चित ही बचपन की स्मृतियां सुनते हुए साफ लगा कि जीवन का लोक-अर्थ शायद वह नहीं है, जो बतौर पत्रकार मैंने सरकारों, नेताओं, विचारधाराओं और राजनीतिक परिवर्तनों में खोजा और समझा है। इन दिनों पुस्तक लेखन में भी, मैं जिन विषयों को प्राथमिकता दिए हुए हूं, वे भला इन लोगों की स्मृतियों में कहां हैं? इनके लिए अटपटी सी बात है कि देश, यानी भारत के बीते हुए समय में क्या अच्छा था और क्या बुरा? ऐसा क्या कुछ है जो 1947 से पहले जन्मे बुजुर्गों और स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी के जिए हुए जीवन का सारतत्त्व हो? उनके अनुभवों में समय की ऐसी कोई मीमांसा नहीं है, जिसे मैं अपनी पत्रकारिता और लेखन के पचास वर्षों में समझ पाया!

मैंने पत्रकारिता के अपने पूरे पचास वर्षों में भारत को बहुत कवर किया। सरकारें बनते-बिगड़ते देखीं। सत्ता के बदलते चेहरों में अर्थ खोजे। देश की राजनीति, समाज और धर्म के बदलते रंगों पर सोचा, लिखा और कई बार अपने निष्कर्षों में ही खोया रहा। मगर बड़े-बुजुर्गों और पहली पीढ़ी के अनुभवों का हिसाब तो अलग ही है। उनकी स्मृतियों में सरकारों से पहले परिवार था। समाज की सांसें थीं। समय के साथ परिवारों और समाज के बनने-बिखरने की कहानियां थीं। सुख-दुख, रिश्ते-नाते, भूख, अभाव और बदलते व्यवहार, संवेदनाओं तथा मनोभावों की बातें थीं और आज भी वही हैं।

इस्लामो-वामपंथ के विरुद्ध यूरोप में खुला मोर्चा

पुष्पराजन

पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव इस्लामिस्ट एंट्रीज्म (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। पिछले हफ्ते के आखिर में फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, तो फ्रांस के धुर दक्षिणपंथी गुटों ने तुरंत नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस हिंसा के लिए मुस्लिम युवाओं को दोषी ठहराया। जुलाई-अगस्त में, जब सैकड़ों प्रवासियों ने पड़ोसी मोरक्को से स्पेन के क्षेत्र स्यूटा में घुसने की कोशिश की, तो स्पेन के धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मोरक्को के लोगों द्वारा किया गया एक सुनियोजित हमला करार दिया। लेकिन अभी पूरे यूरोप में जो कुछ हो रहा है, उसका ठीकरा मुसलमानों और वामपंथियों पर फोड़ा जा रहा है।

हालांकि, यह उम्मीद की जा सकती है कि धुर दक्षिणपंथी गुट संकटों का फायदा उठाकर इस्लाम-विरोधी भावनाएं (इस्लामोफोबिया) भड़काएंगे। अब बात यहीं तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव इस्लामिस्ट एंट्रीज्म (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। इसे संसद के सबसे बड़े समूह, सेंटर-राइट यूरोपियन पीपल्स पार्टी (ईपीपी) ने पेश किया था। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला फॉन देयर लॉयन भी इसी समूह से आती हैं।

यह प्रस्ताव 381 वोटों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 167 वोट इसके खिलाफ पड़े। ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संसद के 15 सदस्य इस मतदान से दूर रहे। चार अन्य समूहों ने भी लगभग सर्वसम्मति से ईपीपी का समर्थन किया। इनमें पैट्रियट्स फॉर यूरोप और यूरोप ऑफ सॉवरेन नेशंस (दोनों धुर दक्षिणपंथी समूह), उदारवादी रिन्यू यूरोप तथा यूरोपियन कंजर्वेटिव्स एंड रिफॉर्मिस्ट्स शामिल हैं। सोशल डेमोक्रेट्स, वामपंथी और ग्रीन्स के सांसदों ने ज्यादातर इसके खिलाफ वोट दिया, लेकिन वे इसे रोक नहीं पाए।

यह प्रस्ताव फ्रांसीसी सरकार की राजनीतिक इस्लामवाद पर आई एक बेहद विवादास्पद रिपोर्ट पर आधारित है। इसमें इस्लामिस्ट एंट्रीज्म को प्रभाव जमाने, धीरे-धीरे ढांचा तैयार करने, संस्थाओं के भीतर पैठ बनाने और विचारधारा को वैधता दिलाने की एक राजनीतिक रणनीति के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि इस्लामी प्रभाव कई तरह के संगठनों और फाउंडेशनों के जरिए काम करता है। इनमें सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक, धर्मार्थ, विश्वविद्यालय, युवा, भेदभाव-विरोधी और सामाजिक कार्यों से जुड़े ढांचे शामिल हैं।

यूरोप में लगभग 45 से 62 मिलियन मुसलमान रहते हैं। ये इस महाद्वीप की कुल आबादी का लगभग 7.6 फीसदी हिस्सा हैं। इनमें से सबसे बड़ी संख्या रूस, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम

और इटली में रहती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, रूस में अधिकतम 17 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें तातार और चेचेन जैसे मूल निवासी शामिल हैं। फ्रांस में करीब 68 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का अधिकतम 10 प्रतिशत बताए जाते हैं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट के अनुसार, जर्मनी की कुल आबादी में लगभग 7 फीसदी मुसलमान हैं। ब्रिटेन में 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 प्रतिशत हैं। इटली में अधिकतम 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 से 7 फीसदी हैं। भारत के मुकाबले ये संख्याएं कुछ भी नहीं हैं। फिर भी यूरोप डरा हुआ है। और यह डर दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत करता है।

इस प्रस्ताव को लागू करना यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लिए अनिवार्य नहीं है। लेकिन यूरोपीय राजनीति में इसे दर्ज कराना था, और यह मकसद पूरा हो गया। मुस्लिम ब्रदरहुड और उससे जुड़े लोगों या संस्थाओं को आतंकवादी सूची में डालने की मांग के पूरे यूरोप में लागू होने की संभावना कम है, क्योंकि इस आंदोलन ने राजनीतिक हथियार के रूप में हिंसा का त्याग कर दिया है। फिर भी, यह प्रस्ताव एक ऐसे वैचारिक ढांचे को वैधता देता है, जिसके मुस्लिम समुदायों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इसकी नकल भारत में भी हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

यह प्रस्ताव उन मुस्लिम संस्थानों और संगठनों को संदेह के घेरे में लाता है, जो सरकार से स्वतंत्र होकर काम करते हैं। यह मुस्लिम नागरिक समाज की भागीदारी को एक तरह की घुसपैठ के रूप में पेश करता है। प्रस्ताव में ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन नेटवर्क अगेंस्ट रेसिज्म सहित कई संगठनों का नाम लिया गया है, जिन पर इस तरह के इस्लामिस्ट व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप है। प्रस्ताव में मांग की गई है कि इन संगठनों को मिलने वाली ईयू फंडिंग रोक दी जाए।

बाहरी ताकतें इसका आसानी से दुरुपयोग कर सकती हैं, और ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए, संयुक्त अरब अमीरात ने यूरोप और अन्य जगहों पर व्यक्तियों और संगठनों को मुस्लिम ब्रदरहुड से संबद्ध बताकर बदनाम करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि प्रस्ताव पेश किए जाने से कुछ महीने पहले, अमीरात के एक राजदूत ने यूरोपीय संसद में आयोजित मुस्लिम ब्रदरहुड : यूरोप के लिए एक वास्तविक खतरा शीर्षक वाले सम्मेलन में भाग लिया था। यानी, इसकी भूमिका पहले से ही तैयार कर ली गई थी।

प्रतीकात्मक रूप से, यह प्रस्ताव यूरोप की दक्षिणपंथी मुस्लिम-विरोधी ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है। यह प्रस्ताव यह भी दर्शाता है कि यूरोपीय इस्लामोफोबिया किस तरह विकसित हुआ है। अब डर इस बात का नहीं है कि आप्रवासी अजनबी हैं और एकीकृत नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि उन मुसलमानों से है, जो अपने लिए बोलने और अपने नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हैं। मध्यम दक्षिणपंथी ताकतों के लिए यह इस्लामोफोबिक ढांचा राजनीतिक लाभ लेकर आता है। इसके जरिए वे न केवल मुस्लिम-विरोधी भय फैलाकर चुनावी लाभ उठा सकती हैं, बल्कि उन वामपंथियों पर भी प्रहार कर सकती हैं, जो नस्लवाद को अस्वीकार करते हैं और मुस्लिम समुदायों के पक्ष में खड़े होते हैं।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि फ्रांस के राजनीतिक परिदृश्य में ह्यइस्लामो-वामपंथह्व (फ्रांसीसी में ह्यइस्लामो-गोशिज्मह्व) के विचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। वामपंथी पार्टी ला फ्रांस इंसौमिस (फ्रांस अनबाउंड) के ज्यां-ल्यूक मेलेंशों हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं और राष्ट्रपति पद के प्रबल दावेदार हैं। अब उन पर ह्यदंगाइयोंह्व को उकसाने का आरोप लगाया जा रहा है, जिनके बारे में संकेत दिया जा रहा है कि वे मुसलमान हैं।

वामपंथियों और मुसलमानों पर यह दोहरा हमला पुराने यहूदी-बोल्शेविक साजिश सिद्धांत की याद दिलाता है, जिसमें यहूदियों पर पश्चिमी सभ्यता को नष्ट करने के उद्देश्य से साम्यवाद फैलाने का आरोप लगाया गया था। आज, इस्लामो-वामपंथ रूढ़िवादियों, उदारवादियों और धुर दक्षिणपंथियों के लिए एक बलि का बकरा बन गया है। उनका मकसद मुसलमानों के बिना एक किलेबंद यूरोप बनाना प्रतीत होता है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि फ्रांस का दक्षिणपंथ भारत से कितना प्रभावित है!

भिलाई के लिए गर्व का क्षण – भारतीय महिला हैंडबॉल टीम बनी चैंपियन, टीम मैनेजर थे भिलाई के जी. सुरेश पिल्लई

बांग्लादेश को 28–16 से हराकर जीती बेगम खालिदा जिया IHF नेशंस ट्रॉफी, दुर्ग की निक्की भी रही टीम का हिस्सा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-ढाका

छत्तीसगढ़ और भिलाई के लिए दोहरी खुशी की खबर है। एक ओर भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने बांग्लादेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट में चैंपियन बनकर तिरंगा लहराया है, वहीं इस विजेता टीम के मैनेजर के रूप में भिलाई के जी. सुरेश पिल्लई (बाबे) ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जी, सुरेश पिल्लई बने थे टीम मैनेजर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार भिलाई निवासी जी. सुरेश पिल्लई को ढाका में 18 से 22 अक्टूबर तक आयोजित IHF ट्रॉफी सीनियर वुमेन्स हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया था। वे लंबे समय से हैंडबॉल के विकास से जुड़े रहे हैं। इस नियुक्ति पर भिलाई के खेल जगत में हर्ष का माहौल है।

फाइनल में बांग्लादेश को करारी शिकस्त

गुरुवार को शहीद कैप्टन एम. मंसूर अली नेशनल हैंडबॉल स्टेडियम, ढाका में खेले गए फाइनल में भारत ने मेजबान बांग्लादेश को 28–16 से हराकर बेगम खालिदा जिया IHF नेशंस ट्रॉफी जीत ली।

इस चार देशों के टूनार्मेंट में भारत अजेय रहा। बांग्लादेश ने ग्रुप में नेपाल और मालदीव को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, उसकी एकमात्र हार भारत से ही हुई। फाइनल में शुरूआती 10 मिनट तक बांग्लादेश ने टक्कर दी, लेकिन भारत ने जल्द ही 14–9 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण कर लिया। दूसरे हाफ में भारत ने अंतर और बढ़ा दिया।

भारतीय गोलकीपर दिक्षा कुमारी ने बांग्लादेश की स्टार हमलावर साकिबा और निशी के कई हमलों को नाकाम किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि भारत की भावना शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट का खिताब मिला। बुधवार को नेपाल ने मालदीव को हराकर कांस्य पदक जीता था।

छत्तीसगढ़ की बेटी निक्की भी टीम में

इस विजेता टीम में छत्तीसगढ़ का भी प्रतिनिधित्व रहा। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर टीटी के पद पर कार्यरत निक्की इस टीम का हिस्सा रहीं और छत्तीसगढ़ से एकमात्र खिलाड़ी के रूप में उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व किया। टीम में सर्वाधिक खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से शामिल थीं।

कोचिंग स्टाफ

भारतीय टीम के मुख्य कोच सचिन, महिला कोच पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति शुक्ला (उत्तर प्रदेश) और सहयोगी मैनेजर के रूप में राहुल शुक्ला भी टीम के साथ थे। इंडियन हैंडबॉल फेडरेशन के प्रमुख आनंदेश्वर पांडेय हैं।

भारतीय टीम का शानदार अजेय अभियान के बाद आज स्वदेश वापसी हो रही है।

इंडियन हैंडबाल टीम को विजेता होने पर आपको एवं पूरे टीम को बहुत बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं....

इमरान हाशमी ने बॉलीवुड को लेकर किया खुलासा

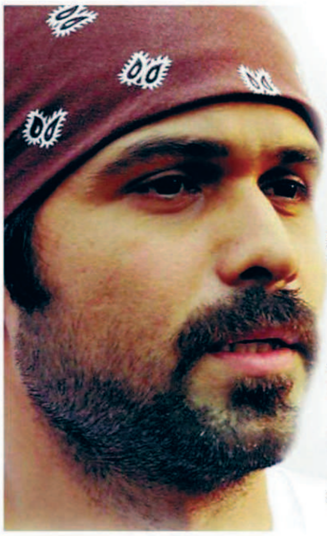

इमरान हाशमी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब' में नजर आए हैं। इसी बीच उन्होंने खास बातचीत में फिल्म इंडस्ट्री के तौर तरीकों पर बात की। इमरान ने 'तस्करी' वेब सीरीज से जुड़े अनुभव साझा किए। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों की बदलती कहानियों और सोशल मीडिया की तीखी प्रतिक्रियों पर भी अपनी राय रखी।

सीरीज 'तस्करी' आपके लिए क्या नया लेकर आई?

मुझे अंदाजा ही नहीं था कि यह दुनिया इतनी रॉ और रियल होगी। एयरपोर्ट और कस्टम में चीजें किस तरह होती हैं यह आम नागरिकों को कभी पता नहीं चलता। स्मगलिंग का सामान देश में किस तरह अंदर आता है, यह भी हमें सिर्फ खबरों में पढ़ने को मिलता है। लेकिन इस वेब सीरीज के लिए टीम ने जिस स्तर पर रिसर्च की वह बहुत चौंकाने वाला था। कस्टम अफसर कैसे काम करते हैं और पूरी प्रोसेस कैसे चलती है...यह सब जानना मेरे लिए नया और अलग अनुभव था।

आज इंडस्ट्री को पहले से कितना बदला हुआ पाते हैं?

परिभाषा बहुत बदल गई है। मैंने जब शुरुआत की थी तब लीड हीरो की एक तय इमेज होती थी। हीरो आता था, हालात पलट देता था और कहानी पूरी हो जाती थी लेकिन आज का समय इससे बहुत अलग है। ओटीटी ने ऑडियंस का टेस्ट बदल दिया है। कोविड के बाद ऑडियंस ने दुनिया भर का कंटेंट देखा है। अब लीडिंग मैन सिर्फ हीरो नहीं होता, बल्कि उसका किरदार स्पष्ट और गहराई वाला लिखना पड़ता है। कई किरदारों वाली फिल्में बन रही हैं और एक ही जॉनर में कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। यह बदलाव इंडस्ट्री के लिए अच्छा है।

सोशल मीडिया की नकारात्मकता और ट्रोलिंग का कितना असर पड़ता है?

बहुत ज्यादा असर पड़ता है। सोशल मीडिया आज सबसे ज्यादा शोरगुल से भरा मंच बन चुका है। यहां ट्रोलिंग होती है, नकारात्मक जानकारी और गलत बातें भी तेजी से फैल जाती हैं। फैन आपस में भिड़ भी जाते हैं। पहले ऐसा माहौल नहीं था। मैं एक साधारण माहौल से आता हूं, इसलिए यह लगातार बढ़ता डिजिटल शोर कई बार मानसिक रूप से थका देता है।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री सच में एकजुट नहीं है?

हां, ऐसा ही लगता है। फिल्म इंडस्ट्री एकजुट नहीं है। यहां लोग सामने कुछ नहीं कहते, लेकिन पीठ पीछे बहुत बातें होती हैं। इंडस्ट्री में खींचतान की मानसिकता बहुत आम है। अगर कोई अच्छा काम कर रहा हो तो कई लोग उसे नीचे लाने की कोशिश करते हैं। यह सोच कि अगर मेरे पास नहीं है तो दूसरे के पास क्यों हो, अभी भी यहां मौजूद है और यह अच्छी बात नहीं है।

बॉक्स ऑफिस नंबर और ओटीटी व्यूअरशिप का प्रेशर आप कैसे संभालते हैं?

देखिए, दबाव हमेशा रहता है लेकिन वैसा नहीं जैसा लोग बाहर से समझते हैं। जब आप कोई फिल्म करते हैं, तो बस यही उम्मीद होती है कि ऑडियंस उसे स्वीकार करे। सच यह है कि कोई नहीं जानता कि फिल्म थिएटर में चली या ओटीटी पर पसंद की जाएगी। अगर आप हर समय इसके बारे में सोचते रहेंगे, तो आपका ध्यान काम से हट जाएगा। यह सब आपके कंट्रोल में नहीं होता। आपकी जिम्मेदारी बस ईमानदारी से अपना काम करना है। फिर आज यह समझना और भी मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार को आंकड़े आते ही सभी चिंतित हो जाते हैं। प्रोड्यूसर को भी इसी बात की चिंता रहती है कि अगर फिल्म अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई तो आगे क्या होगा? ओटीटी पर भी यही दबाव होता है। अगर पहले वीकएंड में व्यूअरशिप कम रहती है, तो शो या फिल्म की सक्सेस धीमी हो जाती है। इंडस्ट्री में अब सब कुछ आंकड़ों पर बेस्ड है।

क्या सोशल मीडिया फिल्म की किस्मत भी बदल देता है?

हां, बिल्कुल। आजकल कई फिल्में कंटेंट की वजह से नहीं बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पहले तीन दिनों में ही नुकसान झेलती हैं। लोग फिल्म देखे बिना ही फैसला सुना देते हैं। कई बार समझ ही नहीं आता कि इतनी नेगेटिविटी क्यों और कहां से आती है। क्या दुनिया हमेशा ऐसी थी या अब नेगेटिव होना एक आदत बन गया है, इसका जवाब मेरे पास नहीं है। लेकिन इतना जरूर समझ में आता है कि अगर आप इसमें बहुत अधिक ध्यान देंगे तो यह आपको मानसिक तौर पर परेशान कर देगा।

पोस्टपोन हो सकती है प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं

'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े परदे पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।

रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नही होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू

साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पुनीत मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे। तारा ने फिल्म में मिया चावला का किरदार निभाया। यह कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और प्रतियोगिता पर आधारित कहानी थी। फिल्म को समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन तारा के लिए यह बड़े पर्दे पर शुरुआत का अवसर था। तारा ने अपनी डेब्यू फिल्म के प्रदर्शन पर कहा था कि फिल्म को लेकर लोगों की राय अलग हो सकती है, लेकिन उनके अनुसार फिल्म ने कमाई की थी और वह इसे असफल नहीं मानती थीं। तारा ने बताया था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' की शूटिंग के दौरान उन्हें दूसरी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। इनमें 'कबीर सिंह' और 'मरजावां' जैसी फिल्में शामिल थीं।

फिल्मों से रिप्लेस होने का अनुभव

फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के साथ-साथ किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रहना भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तारा सुतारिया ने करियर के दौरान ऐसे अनुभवों का सामना किया है। जूम टीवी एंटरटेनमेंट के इंटरव्यू में तारा ने फिल्मों से रिप्लेस किए जाने के अनुभवों पर बात की है। उन्होंने बताया कि कुछ मौकों पर उन्हें फिल्मों से बाहर किए जाने की जानकारी मिली, जबकि वह उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रही थीं। किसी फिल्म से जुड़े होने की उम्मीद के बाद अचानक किसी दूसरे कलाकार को अपनी जगह देखना भावनात्मक रूप से मुश्किल हो सकता है। तारा के लिए भी यह शुरुआती करियर का ऐसा अनुभव रहा, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझने का अवसर दिया।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा

तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने आठ साल के सफर पर बात की थी। इस इंटरव्यू में तारा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थीं। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के ट्रैक होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने अपने अनुभव को मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं। तारा ने इस बातचीत में बताया कि समय के साथ उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद को समझा। अब वह जानती हैं कि किन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और किस तरह के प्रोजेक्ट्स उनके लिए सही हैं।

अगले प्रोजेक्ट में संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।

द रेवोल्यूशनरीज के लिए रोहित सराफ ने 15 महीने की कड़ी ट्रेनिंग की

अभिनेता रोहित सराफ अपनी नई वेब सीरीज 'द रेवोल्यूशनरीज' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने शरीर को बदलने के लिए करीब 15 महीने तक कड़ी मेहनत और ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने लगभग 3 महीने तक मल्लखंब और कुश्ती जैसी कलाओं की ट्रेनिंग भी ली। रोहित ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक निखिल आडवाणी से मिले, तो उन्होंने रोहित से कहा था कि उनका शरीर हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट जैसा होना चाहिए, जैसा कि फिल्म फाइट क्लब में दिखता है। रोहित ने कहा, 'मैं पहले से एक्टिव और फिट था, लेकिन मैं फाइट क्लब वाले ब्रैड पिट जैसा बिल्कुल नहीं था।' इसलिए उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने शरीर को निर्देशक की कल्पना के मुताबिक बनाना थी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग काफी कठिन और थकाने वाली थी। वह अपनी ट्रेनिंग के वीडियो लगातार निखिल आडवाणी को भेजते थे। रोहित को सबसे ज्यादा अच्छा यह देखकर लगा कि धीरे-धीरे ट्रेनिंग की वजह से उनके शरीर का लुक और चलने-फिरने का तरीका दोनों बदल रहे थे।

क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की जिंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की जिंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर

फिलहाल यह फिल्म लेखन और डेवलपमेंट स्टेज में है। फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की जिंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए [illegible] के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को विस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर स्नेहा राजानी के भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब स्नेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कास्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जून में भी अपनी जिंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

उपमुख्यमंत्री व विधायक विजय शर्मा ने वनांचल ग्रामों में चौपाल लगाकर सुनी लोगों की समस्याएं

अंधरीकछार, बोरिया और अचानकपुर में 427 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम अंधरीकछार, बोरिया और महली में ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर चौपाल लगाई और उनकी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सुनीं।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन, मंच और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों की जांच कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

अपने दौरे में उप मुख्यमंत्री ने ग्राम अंधरीकछार में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण, 2.60 लाख रुपए की लागत से धरसा मार्ग, महामाया मंदिर के लिए 5 लाख रुपए, 3 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण तथा समतलीकरण कार्य के लिए 1 लाख रुपए की घोषणा की। इसी प्रकार ग्राम बोरिया में 10 लाख रुपए की लागत से खाद गोदाम, 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क, महादेव मंदिर में 3 लाख रुपए की लागत से मंच तथा प्राथमिक शाला भवन के पास 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की।

प मुख्यमंत्री ने ग्राम कापा में 6 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन और 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। वहीं ग्राम सिरमी में 6.50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन एवं 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। ग्राम महली में 2.50 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, बूढ़ा देव के पास 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन, 5.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क, 5 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण तथा महामाया मंदिर के पास 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। तीन गांवों में 427 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक शर्मा ने जनचौपाल के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए बताया कि ग्राम अंधरीकछार में 163, बोरिया में 128 और अचानकपुर में 136 सहित कुल 427 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए, ताकि हितग्राहियों को जल्द से जल्द पक्के आवास का लाभ मिल सके।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवास निर्माण की नियमित निगरानी करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हितों को ध्यान में रखकर लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने गन्ने का मूल्य 425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इससे गन्ना उत्पादक किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और सहयोग से भोरमदेव शक्कर कारखाने ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश में सर्वाधिक शक्कर रिकवरी का गौरव प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहली बार गन्ना किसानों को शक्कर कारखाने से लाभांश राशि मिलने जा रही है। यह किसानों की मेहनत और कारखाने के बेहतर प्रदर्शन का परिणाम है।

खास खबर

महिला व बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट के जिला सभा कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा दोनों विभागों के मैदानी अमले के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में चिन्हित गर्भवती महिलाओं की स्थिति और उन्हें मिल रही एएनसी सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक गर्भवती महिला की 4 ANC जांच शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जाए और प्रत्येक जांच का डाक्यूमेंटेड फॉलो-अप अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही 0 से 5 वर्ष के बच्चों में कुपोषण की स्थिति, अतिगंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या और उन्हें दी जा रही पोषण पुनर्वास सेवाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग आपस में बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि किसी भी बच्चे या गर्भवती महिला को योजनाओं के लाभ से वंचित न किया जाए। लापरवाही बरतने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शिक्षा विभाग से समन्वय कर सभी अनिमिक बच्चों की स्क्रीनिंग और चिन्हांकित बच्चों का तत्काल उपचार हेतु रेफरल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड शत-प्रतिशत बनाने, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत सुविधाओं को बेहतर करने, मोतियाबिंद ऑपरेशन जिला चिकित्सालय में सुनिश्चित करने तथा स्मार्ट कार्ड और वय वंदन कार्ड के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत मोटिवेशन और एनएसवी गतिविधियों पर फोकस करने को भी कहा गया। कलेक्टर ने हेड टू वार्ड सर्वे के दौरान मितानिनों और एएनएम द्वारा घर-घर जाकर बीमारियों की जानकारी एकत्र करने और उसका रिकॉर्ड संधारित करने पर जोर दिया। उन्होंने एसडीएम की उपस्थिति में विकासखण्ड स्तरीय संयुक्त बैठक लेकर कमियों को दूर करने को कहा।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सीडीपीओ, बीपीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करें, धान खरीदी की तैयारियां समय रहते करें पूर्ण-कलेक्टर तनुजा सलाम

मोहला। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने राजस्व एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री, एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन, कृषि खसरों एवं रजिस्ट्री से संबंधित कार्यों, डिजिटल क्रॉप सर्वे मोबाइल एप की प्रगति तथा राजस्व अभिलेखों के संधारण की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कार्यों के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने तथा संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती सलाम ने राजस्व विभाग के अंतर्गत राजस्व प्रकरणों, भू-अर्जन प्रकरणों, नक्शा बटांकन, अभिलेखों की शुद्धता तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा सहित सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े प्रकरण आम नागरिकों से सीधे संबंधित होते हैं, इसलिए प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए।

कबीरधाम के तीन गांवों में बनेगा गौरव पथ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया भूमिपूजन

ग्राम सारंगपुर कला में 5 .20 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

उप मुख्यमंत्री कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम सारंगपुर कला, कारेसरा और मड़मड़ा में कुल 1 करोड़ 55 लाख 67 हजार रुपए की लागत से गौरव पथ निर्माण का भूमिपूजन किया। इसमें ग्राम सारंगपुर कला में 47.85 लाख रुपए, कारेसरा में 59.63 लाख रुपए और मड़मड़ा में 48.19 लाख रुपए की लागत से गौरव पथ का निर्माण किया जाएगा। इन निर्माण कार्यों से तीनों गांवों में सड़क सुविधा बेहतर होगी और ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने ग्राम सारंगपुर कला में 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा भी की।

गुणवत्ता से समझौता नहीं, टिकाऊ सड़क निर्माण पर जोर

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को गौरव पथ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और टिकाऊपन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कें ऐसी बननी चाहिए, जो लंबे समय तक चलें और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा दें। निर्माण कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्राम बंदौरा की सड़क का उदाहरण देते हुए बताया कि सड़क की खराब स्थिति की शिकायत मिलने पर उन्होंने तत्काल उसे उखाड़कर दोबारा बनाने के निर्देश दिए थे। अगले ही दिन सड़क उखाड़ने की कार्रवाई शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि गांव की सड़कों का उपयोग ग्रामीण ही करते हैं, इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखने और किसी भी कमी की जानकारी देने में स्थानीय लोगों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर सुनीं समस्याएं

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने सहज अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनसे संवाद किया। उन्होंने लोगों की समस्याएं और मांगें सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम सारंगपुर कला में 5.20 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी जरूरतों को सुनने और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश देने से जनसमस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 12 लाख से अधिक आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही पात्र परिवारों को आवास का लाभ दिलाने के लिए सर्वे सूची के अनुसार आगे की प्रक्रिया जारी रहेगी।

बस्तर में विकास और पर्यावरण संरक्षण पर जोर

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाया गया, जिसमें सफलता मिली है। बस्तर में पेड़ों की कटाई और बड़ी खनन परियोजनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चचाओं पर उन्होंने कहा कि इन विषयों पर लोगों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति देखें। साथ ही उन्होंने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल, निर्यात कार्यशाला में उद्यमियों को मिला मार्गदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा कृषि विकास सहकारी समिति रायपुर के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के व्यापारियों, उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधियों सहित कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर तलाशना तथा उद्यमियों को निर्यात की प्रक्रियाओं से परिचित कराना था।

कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उद्यमियों को जिले में उपलब्ध उत्पादों के निर्यात की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राजस्थान और पंजाब के विभिन्न उद्योगों का उदाहरण देते हुए कहा कि उद्यमशीलता, बेहतर योजना और निरंतर प्रयास से व्यवसाय को विस्तार दिया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पाद एवं खनिज संसाधन उपलब्ध हैं। इन संभावनाओं का उपयोग करते हुए उद्यमियों को उत्पादन और विपणन के नए अवसरों की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

एपीडा की ओर से उपस्थित अशोक कुमार बोरा ने निर्यात हेतु पंजीयन, आयात-निर्यात कोड, पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर तलाशने और निर्यात गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रसना बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के संचालक एवं जिले के उद्यमी अनंत चोपड़ा ने उद्यम स्थापना, संचालन और व्यवसाय के विकास से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनके अनुभवों से प्रतिभागियों को व्यवसाय आगे बढ़ाने की दिशा में मार्गदर्शन मिला।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक प्रणय कुमार बघेल ने कहा कि निर्यात की दिशा में भविष्य की उपलब्धियों के लिए प्रयास आज से ही शुरू करना आवश्यक है। उद्यमियों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ उत्पादन की गुणवत्ता, पैकेजिंग और बाजार की आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए, ताकि आगामी समय में उनके उत्पाद निर्यात के अनुरूप तैयार हो सकें। उन्होंने जिले में निर्यात की संभावनाओं पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए स्थानीय उद्यमों को निर्यात प्रक्रिया से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यशाला में चैंबर ऑफ कॉमर्स खैरागढ़ के समन्वयक गुलाब चोपड़ा, उद्यमी अनंत चोपड़ा, श्रीमती पार्तिका महोबिया, कुमारी मनीषा फटोनी, उत्तम दशारिया, स्वर्ण उपज एफ.पी.सी.तथा स्व-सहायता समूहों से श्रीमती सुनीता वर्मा सहित जिले के व्यापारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाप्रबंधक प्रणय कुमार बघेल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहली ही भागीदारी में केसीजी की जूनियर कबड्डी टीम ने रचा इतिहास

राज्य स्पर्धा में हासिल किया तीसरा स्थान, देवेंद्र कंवर का राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप के लिए चयन, गया में दिखाएंगे खेल प्रतिभा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की जूनियर बालक कबड्डी टीम ने राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में पहली बार भाग लेते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ द्वारा 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक मुंगेली जिले में आयोजित इस प्रतियोगिता में केसीजी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया।

प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल और टीम भावना का परिचय देते हुए बालोद, दुर्ग, भिलाई नगर और रायपुर नगर की टीमों को पराजित किया। सेमीफाइनल में केसीजी का मुकाबला बिलासपुर की मजबूत टीम से हुआ। प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल

करना जिले की जूनियर टीम के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि रही। जिला कबड्डी संघ के सचिव कन्हैया पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर जिले के खिलाड़ी देवेंद्र कंवर का चयन राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता बिहार के गया में 1 से 3 नवंबर 2026 तक आयोजित होगी। देवेंद्र का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन जिले के खिलाड़ियों के लिए उत्साह बढ़ाने वाली उपलब्धि है।

इस सफलता पर जिला कबड्डी संघ की ओर से टीम के खिलाड़ियों, कोच और मैनेजर को बधाई देते हुए उनका स्वागत किया गया। पहली ही भागीदारी में राज्य स्तर पर स्थान बनाने और जिले के खिलाड़ी का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने से कबड्डी खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों में हर्ष है।

साप्ताहिक बैठक धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए

सीईओ ने समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों व योजनाओं की समीक्षा की

राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निदेर्शानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए धान उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की समुचित तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को धान खरीदी से जुड़े कार्यों में आपसी समन्वय बनाकर सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सीईओ जिला पंचायत ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए सर्वे कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत किसानों की फसलों से संबंधित जानकारी का सही एवं अद्यतन संकलन महत्वपूर्ण है। इसके लिए संबंधित अधिकारी मैदानी स्तर पर कार्यों की नियमित निगरानी करें तथा सर्वे कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए आवश्यक पहल की जाए। साथ ही नागरिकों को सौर ऊर्जा के उपयोग, बिजली बिल में होने वाली बचत एवं योजना के लाभों के संबंध में जागरूक करते हुए उन्हें सोलर पैनल स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

सीईओ जिला पंचायत ने मुख्यमंत्री हेल्पलाईन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल एवं कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का निराकरण संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ किया जाए। विशेष रूप से मुख्यमंत्री हेल्पलाईन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आवेदन का निराकरण करने के पश्चात संबंधित आवेदक को निराकरण की स्थिति एवं की गई कार्रवाई के संबंध में अनिवार्य रूप से सूचित किया जाए। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करने तथा निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

आम जनता को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिलाने की पहल करें स्मृति ईरानी : कमलजीत सिंह पिंटू

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिंटू ने कहा है कि पूर्व सांसद स्मृति ईरानी के प्रदेश भाजपा प्रभारी बनने के बाद उम्मीद है कि प्रदेश सरकार उस दिशा में कदम उठाएगी जिसके लिए वह हमेशा संघर्ष करती रही हैं।

पिंटू ने कहा कि स्मृति ईरानी महिलाओं के हितों के लिए लगातार संघर्ष करती रही हैं। जब रसोई गैस करीब 475 रुपये में मिलती थी, तब उन्होंने महंगाई का हवाला देते हुए दिल्ली में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। आज रसोई गैस की कीमत 1000 रुपये से अधिक हो गई है, ऐसे में उन्हें दाम घटवाने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान 'मोदी की गारंटी' के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था। कमलजीत सिंह पिंटू ने उम्मीद जताई कि स्मृति ईरानी 25 अक्टूबर को अपने पहले छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान राज्य की महिलाओं को राहत पहुंचाने के लिए 500 रुपये में सिलेंडर दिलाने की पहल करेंगी। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन बढ़ती महंगाई को देखते हुए स्मृति ईरानी को अमेठी की तरह छत्तीसगढ़ की जनता को भी 13 रुपये किलो की दर से शक्कर उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहिए।

पीडब्ल्यूडी सचिव ने सड़कों, पुलों, कॉलेज भवन व विश्राम गृह का किया निरीक्षण, गुणवत्ता में लापरवाही पर जताई नाराजगी

सड़क की चौड़ाई, जीएसबी की मोटाई और लेवल की जांच कर मांगी रिपोर्ट, अधिकारियों को नियमित फील्ड निरीक्षण के लिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-राजनांदगांव

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने राजनांदगांव और डोंगरगांव क्षेत्र में सड़कों, पुलों, निमार्णाधीन कॉलेज भवन और पुराने विश्राम गृह का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सड़क निर्माण एवं मरम्मत की गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को कार्यालयों तक सीमित रहने के बजाय नियमित रूप से निर्माण स्थलों पर पहुंचकर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सड़क की चौड़ाई, ग्रेन्युलर सब-बेस (जीएसबी) की मोटाई, लेवल और मार्किंग की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने राजनांदगांव से अंबागढ़ चौकी मार्ग के फोरलेन चौड़ीकरण कार्य का जायजा लेते हुए सड़क की विभिन्न परतों, निर्धारित चौड़ाई और लेवल की जांच करने को कहा। ग्राम पैरी नाला में निर्माणाधीन पुल की नींव, पिलर, कैप एवं अन्य संरचनात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जल निकासी और तकनीकी मापदंडों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम सुखरी से दीवानभेड़ी तक निमार्णाधीन सड़क का निरीक्षण कर खुदाई, बेस निर्माण एवं अन्य कार्यों की गुणवत्ता जांचने तथा निर्माण कार्यों की वीडियोग्राफी और आवश्यक अभिलेखों का संधारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार काम कराने और तकनीकी खामियां तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

श्री बंसल ने डोंगरगांव में पुराने विश्राम गृह का निरीक्षण करते हुए मुख्य भवन को लोक निर्माण विभाग के कार्यालय के रूप में विकसित करने तथा परिसर के अन्य उपयोग योग्य भवनों की मरम्मत कर कार्यालय एवं भंडारण कक्ष के रूप में उपयोग करने को कहा। उन्होंने जर्जर और अनुपयोगी संरचनाओं को हटाने, परिसर का समतलीकरण एवं साफ-सफाई कराने सहित सभी आवश्यक सुधार कार्य 15 से 20 दिनों के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके लिए उपलब्ध विभागीय मदों से राशि की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने सड़क की स्थिति सुधारने, रोड मार्किंग एवं सेंटर लाइन का कार्य कराने तथा डिवाइडर की साफ-सफाई और रंग-रोगन कराने के भी निर्देश दिए।

विभागीय सचिव ने डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम अजुर्नी में निमार्णाधीन नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने महाविद्यालय की लगभग 10 एकड़ भूमि का विधिवत सीमांकन कर चारों ओर सीमा-चिन्ह के रूप में पिलर स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि शासकीय भूमि अतिक्रमण से सुरक्षित रहे। उन्होंने भूमि और पहुंच मार्ग से संबंधित राजस्व अभिलेख अद्यतन कराने को भी कहा। उन्होंने महाविद्यालय के निमाणाधीन दो मंजिला भवन में फ्लोरिंग, प्लास्टर एवं अन्य कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए मुख्य प्रवेश द्वार और सड़क के स्तर में अंतर को ध्यान में रखकर सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्त रैम्प निर्माण की संभावनाएं तलाशने को कहा। उन्होंने वर्षा जल निकासी के लिए डाउन-पाइप की उचित व्यवस्था और पाइपों की सुरक्षा के उपाय करने के भी निर्देश दिए।

श्री बंसल ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा और तकनीकी मापदंडों का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सभी कार्यों के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, दुर्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता एन.के. जयंत, अधीक्षण अभियंता श्रीमती अपर्णा चौरपगार और कार्यपालन अभियंता सुश्री रितु खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सोनिया गांधी ने की सोशल मीडिया पर एंट्री पहली बार बनाया इंस्टाग्राम अकाउंट

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 79 साल की उम्र में पहली बार सोशल मीडिया पर कदम रखा है। गुरुवार को उन्होंने अपना आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट @sonagandhi बनाया और पहली पोस्ट में अपनी आने वाली आत्मकथा 'Belonfging: A Journey of Love' का वीडियो शेयर किया। वीडियो में सोनिया गांधी किताब की पहली कॉपी रिसीव करती नजर आ रही हैं और अपनी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ मिठाई बांटकर खुशी साझा कर रही हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा - "नमस्कार, मैं अपनी किताब की पहली झलक आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है।"

3 घंटे में 60 हजार से ज्यादा लाइक

पोस्ट शेयर करते ही वायरल हो गई। 3 घंटे के अंदर 60 हजार से ज्यादा लाइक और 15 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स जुड़ गए, जो कुछ ही घंटों में 1 लाख के पार पहुंच गया।

केवल 3 अकाउंट को किया फॉलो

सोनिया गांधी ने अपने अकाउंट से केवल तीन अकाउंट को फॉलो किया है - बेटे राहुल गांधी, बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा और इंडियन नेशनल कांग्रेस। उनके आते ही राहुल गांधी समेत तमाम बड़े कांग्रेस नेताओं ने उन्हें फॉलो करना शुरू कर दिया।

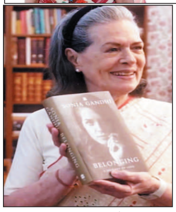

क्या है किताब में ?

544 पन्नों की यह आत्मकथा 10 नवंबर को रिलीज होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे Alfred A. Knopf और भारत में HarperCollins India प्रकाशित करेगी। किताब में 1965 में कैम्ब्रिज में 19 साल की सोनिया माइनो की राजीव गांधी से पहली मुलाकात, 1968 में शादी के बाद इटली से भारत आने, इंदिरा गांधी के साथ रिश्ते और संजय गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या जैसे व्यक्तिगत त्रासदियों का जिक्र है।

गौरतलब है कि अब तक सोनिया गांधी सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखती थीं और अपने संदेश कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल से साझा करती थीं।

ओडिशा से लाई 8.40 लाख की नशीली टेबलेट के साथ आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ओडिशा से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट लाकर राजधानी में खपाने की फिराक में घूम रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 2100 नग नाइट्राजेपम टेबलेट जब्त की गई है, जिसकी कीमत लगभग 8.40 लाख रुपये आंकी गई है।

डीडी नगर में हुई कार्रवाई

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि थाना डीडी नगर क्षेत्र के महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड के पास एक व्यक्ति प्रतिबंधित टेबलेट बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिस उपायुक्त क्राइम एंड साइबर स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त पश्चिम जोन रॉबिन्सन गुरिया के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं थाना डीडी नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहम्मद असजद पिता मोहम्मद इस्लाम, उम्र 30 वर्ष, निवासी शांति विहार कॉलोनी, डंगनिया बताया। उसके थैले की तलाशी लेने पर 2100 नग प्रतिबंधित नाइट्राजेपम (नाइट्रोसन-10) टेबलेट बरामद हुई। आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और टेबलेट ओडिशा से लाना बताया।

आरोपी के खिलाफ थाना डीडी नगर में अपराध क्रमांक 670/26 धारा 22(सी) नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सप्लाई चेन और तस्करी नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायपुर कमिश्नरेट में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा अब तक एनडीपीएस एक्ट के 94 प्रकरणों में कुल 207 आरोपियों को गिरफ्तार कर 7.19 करोड़ रुपये कीमत का गांजा, प्रतिबंधित टेबलेट, कोकीन, एमडीएमए, हेरोइन सहित अन्य मादक पदार्थ जब्त किया जा चुका है।

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

SIR प्रक्रिया एवं कथित वोट चोरी के विरोध में रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को राजधानी में जोरदार रैली निकालकर प्रदर्शन किया। शहर अध्यक्ष श्री मेनन के नेतृत्व में निकली इस रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' और 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' के नारे लगाते हुए मतदाता सूची में पारदर्शिता की मांग की।

प्रदर्शन में दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं रायपुर प्रभारी अरुण वोरा, 12 ब्लॉक अध्यक्षों के साथ पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पंकज शर्मा, प्रमोद दुबे, ज्ञानेश शर्मा, एजाज ढेबर सहित जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

अरुण वोरा ने उठाए सवाल

अरुण वोरा ने SIR प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि देशभर में लगभग 13 करोड़

39 लाख और छत्तीसगढ़ में करीब 25 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जाने का दावा सामने आया है। इतने बड़े पैमाने पर नाम हटने के मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची से हटना उसके मतदान के अधिकार को प्रभावित कर सकता है। निर्वाचन प्रक्रिया में

'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारों से गूंजा रायपुर

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। वोरा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़े सवालों का जवाब मिलना चाहिए।

कांग्रेस ने मांग की कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों की समीक्षा की जाए, प्रभावित नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण हो और किसी भी पात्र मतदाता को मतदान के अधिकार से वंचित न किया जाए।

भिलाई - रुआबांधा कॉलोनी में दुर्ग पुलिस का कॉम्बिंग गश्त, 60 जवानों ने ली तलाशी, 2 वारंटी पकड़ाए

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग पुलिस ने आज तड़के भिलाई के रुआबांधा कॉलोनी में सघन कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। सुबह 4 बजे से 8 बजे तक चले इस अभियान में 2 राजपत्रित अधिकारी और 4 निरीक्षकों सहित कुल 60 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस टीम ने कॉलोनी में बाहरी किरायेदारों, आदतन गुंडा-बदमाशों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। साथ ही मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की तलाश के लिए घर-घर चेकिंग की गई। इस दौरान वारंटियों की तलाश में पुलिस को बड़ी सफलता मिली और 2 स्थायी वारंटियों को पकड़ा गया।

पकड़े गए वारंटी - अनीश बाग पिता प्रमोद बाग उम्र 21 साल, निवासी सेक्टर-10, थाना भिलाई नगर, दानिश पिता रामगोपाल उम्र 20 साल, निवासी रुआबांधा, थाना भिलाई नगर शामिल हैं। दुर्ग पुलिस का कहना है कि इस तरह के कॉम्बिंग अभियान का उद्देश्य अपराधों की रोकथाम और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने किरायेदारों का पुलिस सत्यापन जरूर कराएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि, मादक पदार्थ या अवैध हथियार की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

महासमुंद : बावनकेरा चौक पर कार-ट्रक की भीषण टक्कर, दो की मौत, 3 घायल

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

जिले में नेशनल हाईवे पर हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। शुक्रवार को पटेवा थाना क्षेत्र के बावनकेरा चौक, झलप के पास भीषण सड़क हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार कार ओवरटेक करने के दौरान ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

कार में एक ही परिवार के लोग सवार थे, जो राजनांदगांव जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पटेवा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया है। पुलिस फरार ट्रक की तलाश कर रही है और मृतकों-घायलों की पहचान की जा रही है।

राजधानी रायपुर में धर्म परिवर्तन को लेकर विवाद, दो महिलाओं पर अपराध दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर के अमलीडीह इलाके में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं के खिलाफ अपराध दर्ज की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि परिवार पर लगातार ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा था। जब परिवार ने धर्म परिवर्तन से इनकार किया तो उनके साथ मारपीट की गई और कई तरह से परेशान किया गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमलीडीह क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि कुछ समय से उन पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया जा रहा था। परिवार का आरोप है कि उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए लगातार कहा जा रहा था।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100